अवध की आवाज

www.avadhkaawaz.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र राजधानी लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

वर्ष–12 अंक–201 R.N.I.- UPHIN/2012/45127 लखनऊ सोमवार 20 नवम्बर 2023 पृष्ठ – 4 मूल्य–3 रूपया

संक्षिप्त समाचार

महावीर स्वामी का निर्वाण महोत्सव पर निकली रथयात्रा

लखनऊ। श्री जैन धर्म प्रवर्द्धनी सभा की ओर से महावीर स्वामी का 2550 वां निर्वाण महोत्सव रविवार को महावीर पार्क डालीगंज में मनाया गया। शुरुआत 108 आचार्य विशद सागर महाराज के सानिध्य में पहले मन्दिर में पूजा अर्चना अभिषेक, शांतिधारा हुई। उसके बाद सभा के सभापति विनय कुमार जैन कि अगुवाई मे रथयात्रा डालीगंज जैन मन्दिर से शुरु हुई। यात्रा में डीजे बैंड पर झूमते–गाते लोग उसके पीछे भगवान का रथ चल रहा था। यात्रा पन्ना लाल रोड चौराहा होते हुए महावीर पार्क पहुंची। पार्क में आचार्यश्री का प्रवचन हुआ। इससे पहले महिला मंडल द्वारा मंगलाचरण नृत्य के द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस मौके पर विनय जैन, रवि प्रकाश जैन, सुशील जैन, आदीश जैन, अशोक जैन, दिलीप जैन, अभिषेक जैन, अंजू जैन, शुभा जैन, सुनयना जैन, राज जैन आदि मौजूद रहे।

एटीएम बदलकर रुपए निकालने वाला शातिर अरेस्ट

आगरा। आगरा पुलिस ने एटीएम कार्ड बदलकर फ्रॉड करने वाले गैंग के सरगना को पकड़ा है। इसने एक दिन पहले सदर में छात्रा का एटीएम बदलकर एकाउंट से 45 हजार रुपए निकाल लिए थे। इसका गैंग कई राज्यों में सक्रिय है। पुलिस इससे पूछताछ कर रही है। डीसीपी सूरज राय ने बताया कि दो दिन पहले सदर थाना क्षेत्र के एक एटीएम में एक छात्रा रुपए निकालने गई थी। वहीं पर पहले से एक युवक मौजूद था। उसने छात्रा को बातों में फंसाकर उसका एटीएम कार्ड बदल लिया। जब छात्रा घर पहुंची तो उसके मोबाइल पर 45 हजार रुपए निकालने का मैसेज आया। पीड़िता ने सदर थाने में मुकदमा दर्ज कराया। सदर पुलिस ने एटीएम में लगे सीसीटीवी कैमरे से शातिर की फुटेज निकाली। इसके बाद पुलिस ने उसकी तलाश शुरू की। शनिवार को गोपालपुरा के एटीएम के पास पुलिस ने शातिर को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी हनीफ धौलपुर का रहने वाला है। इसके पास से पुलिस ने 54 एटीएम कार्ड बरामद किए हैं। दो फर्जी आधार कार्ड व 2 मोबाइल फोन बरामद हुए हैं। शातिर ने बताया कि वो और उसके गैंग के सदस्य एटीएम में जाते हैं। वहां पर रुपए निकालने वाले लोगों का पासवर्ड देख लेते हैं। इसके बाद वो बातों में फंसाकर उनका एटीएम कार्ड बदल लेते हैं। बाद में उस एटीएम से रुपए निकाल लेते हैं। वो अपने पास लगभग हर बैंक का एटीएम रखते हैं। जैसा एटीएम होता है, वैसा एटीएम निकाल लेते हैं। शतिर बदमाश ने बताया कि वो पहले भी तीन बार जेल जा चुका है।

आलमबाग का टेढ़ी पुलिया अब खालसा चौक, योगी ने लोकार्पण किया

लखनऊ। सीएम योगी आदित्यनाथ ने आलमबाग के टेढ़ी पुलिया स्थित चौराहे का नाम खालसा चौक का लोकार्पण किया। यह चौराहा पहले टेढ़ी पुलिया के नाम से जाना जाता था, अब वहां पर खालसा चौक के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। सीएम योगी ने कहा कि गुरू गोविंद सिंह महाराज ने विदेशी आक्रांताओं से भारत के धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए 1699 में खालसा पंथ की स्थापना की थी। इस पंथ ने मातृभूमि गुरु नानक देव जी का प्रकाश पर्व और 26 दिसंबर बीरबाल दिवस के रूप में मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि हम सबको अपने इतिहास पर गौरव की अनुभूति करनी चाहिए। लोकार्पण कार्यक्रम में सीएम योगी आदित्यनाथ के अलावा डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक,

का चिन्ह स्थापित किया गया है। इस दौरान सीएम योगी ने लोगों को बधाई देते हुए इशारों–इशारों में सपा सरकार के कार्यकाल में मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित होने वाली इफ्तार पार्टी पर कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि उनसे पहले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री कार्यालय में अन्य तरह के आयोजन होते थे। वहीं प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद मुख्यमंत्री कार्यालय में गुरु नानक देव जी के 550वें प्रकाश पर्व का भव्य आयोजन हुआ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सिख धर्म के दसवें गुरु एवं खालसा पंथ के संस्थापक गुरु गोबिन्द सिंह जी के ज्योति ज्योत दिवस की रक्षा में हमेशा अग्रणी भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि सिख गुरुओं का त्याग और बलिदान हम सबको देश और धर्म की रक्षा की प्रेरणा प्रदान करता है। सीएम योगी ने कहा कि सिख गुरुओं का इतिहास हमें भारत की गौरवशाली विजयगाथा का स्मरण कराता है। सीएम योगी ने कहा सिख समाज के त्याग, बलिदान परंपरा, धर्म के प्रति समर्पण और समाज के प्रति सेवाभाव को नमन किया।मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाले दिनों में हम लोगों को अनेक कार्यक्रमों में सहभागी बनने का अवसर प्राप्त होगा। 24 नवंबर को ही गुरु तेग बहादुर जी का पावन शहीदी दिवस, 27 नवंबर को कार्तिक पूर्णिमा के दिन महापौर सुषमा खरकवाल, पूर्व महापौर संयुक्ता भाटिया समेत स्थानीय नेता और सिख नेताओं के प्रतिनिधि मौजूद रहे। आलमबाग के टेढ़ी पुलिया का नामकरण खालसा चौक पर सीएम योगी, उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के साथ द्वीप प्रज्वलित कर किया।महापौर ने बताया कि आलमबाग रोड से कैंट की ओर जाने वाला चौराहा, जिसे पहले आम बोलचाल की भाषा मे टेढ़ी पुलिया कहा जाता था, उसे सिख समाज की मांग पर "खालसा चौक" कर दिया गाय है। महापौर ने आगे बताया कि गुरुपर्व के पावन मौके पर आलमबाग गुरुद्वारे के पास "ऐतिहासिक साहिबजादे पार्क" का शिलान्यास किया जाएगा।

मछली पकड़ने गए युवक को दबंगों ने पीटा, गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर

उरई/जालौन। जालौन में दबंगों का कहर देखने को मिला। जहां नहर में मछली पकड़ने गए दलित युवक के साथ दबंगों ने बेरहमी से मारपीट की। इस घटना का विरोध उसके भाई ने किया तो दबंगों ने दहशत फैलाने के लिए हवाई फायरिंग की। इस घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी मिलने पर कोंच पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। हालत नाजुक होने पर चिकित्सक ने चेकअप के बाद उसे हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया पुलिस ने मौके से कारतूस का खोखा बरामद किया है। मामला कोंच कोतवाली के घुसिया नहर के पास का है। गांधी नगर के रहने वाले महेंद्र सिंह अहिरवार अपने भाई छोटू के साथ घुसिया रोड स्थित नहर से मछली पकड़ने गया हुआ था। तभी कोंच के ही रहने वाले दबंग मोहित यादव, रोहित यादव, संदीप यादव, सच्चू तिवारी, शोपू तिवारी एवं चार अज्ञात व्यक्ति आये और मछली पकड़ने से मना करने और गालियां देने लगे। जिसका विरोध छोटू ने किया तो उस पर सभी लोगों ने एक साथ छोटू पर हमला कर दिया व लाठी–डंडों से हमला कर पीट पीटकर गम्भीर रूप से घायल कर दिया। इसका महेंद्र ने विरोध किया तो दबंग हवाई फायरिंग करते हुए मौके से भाग गए। गोली की आवाज सुनकर हड़कंप मच गया, इस घटना की जानकारी मिलते ही कोंच कोतवाली के अतिरिक्त निरीक्षक वीरेन्द्र सिंह, वरिष्ठ उपनिरीक्षक उदय प्रताप सिंह, सुरही चौकी प्रभारी संदीप कुमार सहित भारी पुलिस टीम मौके पर पहुंची। घायल को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कोंच में भर्ती कराया। हालत नाजुक होने पर डॉक्टरों ने जिला अस्पताल उरई के लिए रेफर कर दिया। सीओ कोंच रामसिंह ने कहा कि मामले में अभियोग दर्ज किया जा रहा है और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए तीन टीमें गठित की गई है। जल्द ही आरोपी पुलिस की गिरफ्त में होंगे।

२० साल बाद ऑस्ट्रेलिया को हराकर बदला लेगी टीम इंडिया बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी

लखनऊ। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच वर्ल्ड कप 2023 का फाइनल मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। पूरे देशवासियों को टीम इंडिया से जीत की उम्मीदें हैं। वहीं पूरा देश टीम इंडिया की जीत के लिए प्रार्थनाएं कर रहा है। इस बीच यूपी बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने भी टीम इंडिया को बेहतर प्रदर्शन के लिए अपनी शुभकामनाएं दी है। साथ ही उनका यह भी कहना है कि इस बार वर्ल्ड कप के फाइनल में टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया को हराकर 2003 की हार का बदला लेगी।इस बारे में भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि भारतीय क्रिकेट टीम ने सामूहिक रूप से बहुत अच्छा प्रदर्शन इस विश्व कप में किया है। उन्होंने कहा टीम भावना के साथ इस समय पूरी टीम खेल रही है। उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वास है कि जिस प्रकार उनका अब तक का खेल रहा है जिस तरह की क्रिकेट टीम इंडिया ने अब तक खेली है और सभी लीग मैचों के साथ–साथ सेमीफाइनल में उसे जीत मिली है। ये सामूहिक रूप से खेल के प्रति उनका जो कमिटमेंट है। उसी का नतीजा है। इस आधार पर उन्हें उम्मीद है कि टीम इंडिया फाइनल में भी अच्छा खेलेगी। फाइनल में 2003 में मिली हार का बदला ऑस्ट्रेलिया से भारतीय टीम लेगी और देशवासियों को जीत का तोहफा देगी। उन्होंने कहा कि 2003 में ऑस्ट्रेलिया से भारत नहीं जीत पाया था, लेकिन अब 20 साल बाद हिसाब बराबर करने का मौका आया है। उन्होंने कहा कि यह हमारे साथ साथ पूरे देश के लिए गर्व की बात है कि यूपी के खिलाड़ी इस वक्त पूरे जोश में हैं। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री के निर्देश पर खेल विभाग ने अच्छा काम किया है। इसीलिए क्रिकेट के अलावा भी जो अन्य खेल हैं उसमें भी अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भारत ने अच्छा प्रदर्शन किया है।

हैदराबाद की आउटर रिंग रोड के तर्ज पर होगा शहीद पथ का सौंदर्यीकरण

- लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष डॉ0 इन्द्रमणि त्रिपाठी ने अधिकारियों के साथ बैठक करके विकास एवं सौंदर्यीकरण के कार्यों का रोड मैप किया तैयार

- शहीद पथ के मीडियन डिवाइडर पर पेड़-पौधों की नियमित सिंचाई के लिए बोरिंग के साथ डाली जाएगी ड्रिप लाइन, साइड स्लोप पर बोरिंग कराकर लगाये जाएंगे वॉटर स्प्रिंकलर

- एन0एच0ए0आई के अधिकारियों ने बैठक में विस्तृत चर्चा के बाद सौंदर्यीकरण के विभिन्न कार्यों को लेकर प्रदान की सहमति

अवध की आवाज ब्यूरो

लखनऊ। लखनऊ का शहीद पथ जल्द ही हैदराबाद की आउटर रिंग रोड की तरह चमकेगा। इसके लिए शहीद पथ के मीडियन डिवाइडर व साइड स्लोप पर आन्ध्र प्रदेश की नर्सरी से लाये गये आकर्षक पौधे लगाये जाएंगे। साथ ही पेड़–पौधों की नियमित रूप से सिंचाई के लिए बोरिंग कराकर पाइप लाइन, ड्रिप लाइन और वॉटर स्प्रिंकलर लगाये जाएंगे। प्राधिकरण के उपाध्यक्ष डॉ0 इन्द्रमणि त्रिपाठी ने शनिवार को अधिकारियों के साथ बैठक करके शहीद पथ पर कराये जाने वाले विकास एवं सौंदर्यीकरण के कार्यों की रूपरेखा तैयार की। इस क्रम में उपाध्यक्ष ने अधिकारियों की एक टीम भी गठित की है, जो हैदराबाद और आन्ध्र प्रदेश (राजमुन्द्री) का भ्रमण करके हॉर्टीकल्चर एवं सौंदर्यीकरण के कार्यों की बारीकियों को समझेंगे तथा उसी के आधार पर शहीद पथ की साज–सज्जा करेंगे।

उपाध्यक्ष डॉ0 इन्द्रमणि त्रिपाठी ने बताया कि प्राधिकरण द्वारा शहीद पथ के मीडियन डिवाइडर पर बोरिंग के साथ–साथ ड्रिप लाइन, पाइप लाइन व वॉटर स्प्रिंकलर लगाने का कार्य कराया जा रहा था, जिस पर नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया द्वारा आपत्ति लगा दी गयी थी। आज बैठक में विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा के बाद एन0एच0ए0आई के अधिकारियों ने बोरिंग के साथ–साथ ड्रिप इरिगेशन आदि कार्यों को लेकर सहमति प्रदान कर दी। इससे हॉर्टीकल्चर, सिंचाई व सौंदर्यीकरण के कार्यों की बाधा दूर हो गयी है। उपाध्यक्ष ने बताया कि अभी तक शहीद पथ पर पानी के टैंकरों से सिंचाई का कार्य कराया जाता है, जिससे ट्रैफिक जाम की समस्या तो होती ही है, साथ ही टैंकर के पानी के तेज बहाव से मिट्टी का कटाव भी होता है। अब शहीद पथ के मीडियन डिवाइडर व दोनों तरफ साइड स्लोप पर बोरिंग, ड्रिप लाइन और वॉटर स्प्रिंकलर आदि का कार्य होने से यह समस्या दूर हो जाएगी।

उपाध्यक्ष डॉ0 इन्द्रमणि त्रिपाठी ने कहा कि ग्रेटर हैदराबाद म्यूनिसिपल कारपोरेशन, हैदराबाद मेट्रोपोलिटन डेवलपमेन्ट अथॉरिटी द्वारा जिस तरीके से हैदराबाद में आउटर रिंग रोड को विकसित किया गया है, उसी करके हॉर्टीकल्चर एवं सौंदर्यीकरण के कार्यों की बारीकियों को समझ कर उसी तर्ज पर शहीद पथ का विकास करेगी।

उपाध्यक्ष ने निर्देशित किया कि शहीद पथ के मीडियन डिवाइडर पर लगी ग्रिल की डिजाइन व ऊंचाई में एकरूपता लायी जाए। इसके अंतर्गत एलिवेटड स्थानों पर ग्रिल की ऊंचाई कम रखी जाए तथा शेष जगहों पर ग्रिल की हाइट 04 फुट से अधिक न हो। उन्होंने कहा कि शहीद पथ को दो भागों क्रमशः अयोध्या रोड से लूलू मॉल तक एवं लूलू मॉल से कानपुर रोड तक बांट लिया जाए तथा इसी आधार पर औद्यानिक सुदृढ़ीकरण के साथ 05 वर्ष के अनुरक्षण कार्य का इस्टीमेट तैयार कराकर एन0एच0ए0आई से एकमुश्त धनराशि प्राप्त की जाए। यह टीम उक्त स्थानों का भ्रमण तर्ज पर शहीद पथ पर सौंदर्यीकरण के कार्य कराये जाएं। इसके लिए अधिकारियों द्वारा उक्त रोड को विकसित करने वाले विभाग/अथॉरिटी से समन्वय स्थापित करते हुए वहां का भ्रमण किया जाए। इसके अलावा शहीद पथ पर हॉर्टीकल्चर कार्य के लिए आन्ध्र प्रदेश के राजमुन्द्री शहर की नर्सरियों का भ्रमण करके वहां से आकर्षक पौधे लाये जाएं। इसके लिए उपाध्यक्ष ने विशेष कार्याधिकारी प्रिया सिंह के नेतृत्व में सहायक उद्यान अधिकारी कर्ण सिंह, मो0 इमरान एवं पी0आई0यू0 के लैंड स्कैप आर्किटेक्ट आदित्य कुशवाहा को नामित किया है।

एलडीए में सिंगल टेबल क्लीयरेंस डे का आयोजन, 228 फाइलों का हुआ निस्तारण

– लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष डॉ0 इन्द्रमणि त्रिपाठी के निर्देश पर मीटिंग हॉल में एकत्रित हुए सभी अनुभागों के अधिकारी व कर्मचारी

– एक ही पटल पर समस्त अनुभागों के अधिकारियों की उपस्थिति से हाथों–हाथ हुआ फाइलों का निस्तारण

लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष डॉ0 इन्द्रमणि त्रिपाठी के निर्देश पर शनिवार को प्राधिकरण में सिंगल टेबल क्लीयरेंस डे का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत समस्त अनुभागों के अधिकारी व कर्मचारी फाइलों के साथ।

छठ पर्व पर योगी समेत कई प्रमुख नेताओं ने प्रदेशवासियों को दी शुभकामनाएं

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत सत्तारूढ़ दल और विपक्षी दलों ने रविवार को छठ पूजा के अवसर पर प्रदेश वासियों को अपनी शुभकामना और बधाई दी। सोशल मीडिया पर अपने संदेश में योगी आदित्यनाथ ने कहा, ''सूर्योपासना और लोक आस्था के महापर्व 'छठ की सभी श्रद्धालुओं एवं प्रदेश वासियों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं। भगवान भास्कर और छठी मैया के पावन आशीर्वाद से चराचर जगत सुख, समृद्धि व सौभाग्य के आलोक से आलोकित रहे, यही अभिलाषा है। जय छठी मैया। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भी प्रदेशवासियों को छठ पूजा की बधाई दी। उन्होंने कहा,''समस्त देश एवं प्रदेश वासियों को सूर्य देव जी की उपासना एवं लोक आस्था के पावन पर्व छठ पूजा की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। भगवान सूर्य देव व छठी मैया आप सभी को स्वस्थ रखें, आरोग्यता प्रदान करें एवं सुख, समृद्धि, संपन्नता का

आशीर्वाद दें। वहीं 'एक्स पर अपने पोस्ट में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा, ''समस्त देश एवं प्रदेश वासियों को सूर्य देव की उपासना एवं लोक आस्था के पावन पर्व छठ पूजा की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने अपने बधाई संदेश में कहा, ''छठ पूजा की देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। इस अवसर पर कुदरत से यही प्रार्थना है कि वह सबके बेहतर जीवन की मनोकामनाएं पूरी करे। समाजवादी पार्टी (सपा) ने अपने आधिकारिक 'एक्स हैंडल पर छठ पूजा के बधाई संदेश में कहा, "लोक आस्था एवं सूर्य उपासना के महापर्व छठ पूजा की आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। कांग्रेस पार्टी ने भी अपने आधिकारिक 'एक्स हैंडल पर दिये गये बधाई संदेश में कहा, "सूर्योपासना और लोक आस्था के महापर्व सूर्य षष्ठी व्रत (छठ पूजा) की हार्दिक शुभकामनाएं। भगवान भास्कर और छठी मैया चराचर जगत का कल्याण करें। जय हो छठी मैया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने 'एक्स पर कहा, ''सूर्यनारायण जी के आस्था के महापर्व 'छठ पूजा की आप सभी प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं मंगलकामनाएं। छठी मैया सभी का जीवन सुख, शांति एवं समृद्धि से परिपूर्ण करें।

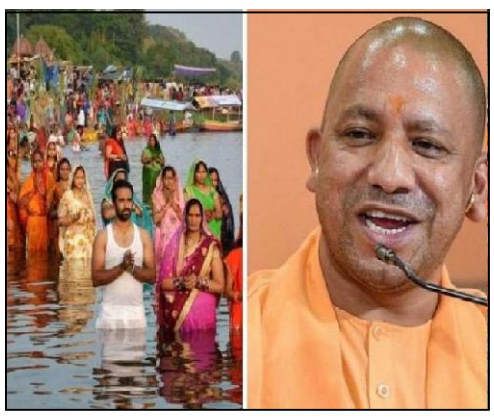

एनआरएलसी ट्रेनिंग संस्थान जानकीपुरम में होगा 3 दिवसीय विद्यार्थी प्रतिभा उत्सव

लखनऊ। विद्यार्थी प्रतिभा उत्सव के दौरान विद्यार्थी पर्यावरण, स्वास्थ्य, शिक्षा , आत्मनिर्भर भारत के महत्व के प्रति जागरूक होकर अपनी प्रतिभा निखारेंगे ये वक्तव्य सीतापुर से विधानपरिषद पवन सिंह चौहान ने विद्यार्थी प्रतिभा उत्सव की कोर टीम के सदस्यों से बैठक के पश्चात दिये बैठक में उपस्थित जनविकास महासभा के अध्यक्ष पंकज कुमार तिवारी प्रदेश मंत्री अजय यादव शोभा फाउंडेशन के अध्यक्ष प्रदीप जायसवाल एवं अंकेश सिंह चौहान उपस्थित रहे। बैठक में पंकज तिवारी ने विद्यार्थी प्रतिभा उत्सव की जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम एन आर एल सी ट्रेनिंग संस्थान सहारा स्टेट रोड जानकीपुरम में 22, 23 एवं 24 दिसम्बर को आयोजित होगा। विद्यार्थी प्रतिभा उत्सव का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को पर्यावरण एवं जल संरक्षण, स्वास्थ्य एवं शिक्षा, आत्मनिर्भर भारत के महत्व के प्रति जागरूक करते हुये उन्हें उनकी प्रतिभा प्रदर्शन के लिये प्रेरित करना है इसके लिये विद्यार्थी प्रतिभा उत्सव में आर्टध्ड्रॉइंग गैलरी, कबाड़ से जुगाड़ के अंतर्गत वेस्ट मेटेरियल से बनाएं गये उत्पादों की प्रदर्शनी कैरियर मार्गदर्शन, इत्यादि के साथ विद्यार्थियों को नृत्य गायन संगीत की प्रतिभा प्रदर्शन हेतु मंच उपलब्ध कराया जायेगा कार्यक्रम की शुरुआत पौधरोपण के साथ शुरू की जायेगी।

अवध की आवाज (हिन्दी दैनिक) लखनऊ सोमवार 20 नवम्बर 2023

सम्पादकीय

केशव प्रसाद मौर्य की नाराजगी और बढ़ी तो यूपी में बढ़ सकती हैं भाजपा की मुश्किलें

उत्तर प्रदेश में बीजेपी के दिग्गज नेता और डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्या हमेशा सुर्खियों में बने रहते हैं। मौर्या बीजेपी का बड़ा चेहरा है। खासकर पिछड़ा समाज को लुभाने के लिए बीजेपी आलाकमान वर्षों से केशव प्रसाद मौर्या की 'ताकत' का इस्तेमाल करता रहा है। पूर्वांचल में केशव का खास दबदबा है। केशव की ताकत का अंदाजा इसी से लग जाता है कि बीजेपी ने 2017 के विधान सभा चुनाव केशव प्रसाद मौर्या को एक तरह से सीएम चेहरे के रूप में प्रोजेक्ट करके चुनाव लड़ा और समाजवादी पार्टी को बड़े अतंर से हरा का सामना पड़ा था, लेकिन जब सीएम बनने की बारी आई तो केशव मौर्या को उनके खिलाफ चल रहे कुछ मुकदमों का हवाला देते हुए साइड लाइन कर दिया गया और बीजेपी आलाकमान ने हिन्दुत्व का नया प्रयोग करते हुए सीएम के रूप में गोरखपुर के तत्कालीन सांसद योगी आत्दियनाथ का चेहरा आगे कर दिया। परंतु बाद में पिछड़ों की नाराजगी को भांपते हुए केशव प्रसाद मौर्या को डिप्टी सीएम की कुर्सी दी गई, जिस पर बैठने से पहले तो केशव ने मना कर दिया, लेकिन हाईकमान के कहने पर उन्हें बेमन से डिप्टी सीएम बनना पड़ गया। उनके साथ ही ब्राह्मणों को लुभाने के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय में प्रोफेसर डा0 दिनेश शर्मा को भी उप मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ दिलाई गई। बाद में दिनेश शर्मा की जगह बृजेश पाठक को यह (उप मुख्यमंत्री की) जिम्मेदारी सौंप दी गई।

केशव डिप्टी सीएम तो बन गये थे, लेकिन इसके साथ ही उनकी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ ट्यूनिंग नहीं बैठने की खबरें भी आने लगीं। केशव प्रसाद मौर्या और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का कालीदास मार्ग पर सरकारी आवास अगल–बगल था, परंतु दोनों के बीच मुलाकात नहीं होती थी। हद तो तब हो गई जब केशव प्रसाद मौर्या के पिता जी का निधन हो गया और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को उनके आवास जाकर शोक व्यक्त करने में हफ्ते भर का समय लग गया। इसके बाद तो अक्सर ही कुछ महीनों के अंतराल पर योगी और केशव के बीच मनमुटाव की खबरें आम होने लगीं, जिसको समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव खूब हवा देते हैं। अखिलेश डिप्टी सीएम को स्टूल वाला उप मुख्यमंत्री तक कह कर संबोधित करते रहे हैं। वह अक्सर कहते रहते हैं कि केशव यदि समाजवादी पार्टी में आ जायें तो समाजवादी पार्टी उन्हें सीएम बना देगी।

दरअसल बीजेपी में केशव प्रसाद मौर्या की बेइज्जती की खबरें फैला कर अखिलेश पिछड़ों को बीजेपी की खिलाफ भड़काने की मुहिम लम्बे समय से चला रहे हैं। इधर आजकल एक बार फिर से केशव प्रसाद मौर्या की नाराजगी की खबरें आ रही हैं। हाल ही में अयोध्या में योगी की कैबिनेट की बैठक और इसके बाद अयोध्या में ही दीपोत्सव कार्यक्रम से लेकर अन्य कई सरकारी कार्यक्रमों में केशव प्रसाद मौर्या की अनुपस्थिति को केशव की नाराजगी से जोड़कर देखा जा रहा है। इसे लेकर सवाल उठ रहे हैं क्या ये महज एक संयोग है या फिर बात कुछ और है। आजकल केशव प्रसाद मौर्य के मन में क्या चल रहा है, इसे लेकर कई सवाल उठ रहे हैं। जरूरी नहीं कि हर बात जुबान से कही जाए। कई बार तो इशारे और कुछ मौकों पर उनकी गैर मौजूदगी ही सब कुछ कह जाती है। जिन्हें समझना है वे समझ ही जाते हैं। केशव प्रसाद मौर्या पिछड़ा समाज से आते हैं और पिछड़ा समाज को लुभाने के लिए बीजेपी एड़ी–चोटी का जोर लगा रही है, फिर केशव की अनदेखी क्यों हो रही है, इस सवाल का जवाब हर जागरूक नागरिक और बीजेपी के नेता/कार्यकर्ता जानना चाहते हैं। केशव की नाराजगी या कहें कि पार्टी में उनकी अनदेखी के चलते राजनीति के गलियारे में यह चर्चा आम है कि बीजेपी क्यों किसी बड़े दलित या पिछड़ा समाज के नेता को आगे बढ़ा या पचा नहीं पाती है। आज बीजेपी में पिछड़े और दलित नेताओं का पूरी तरह से अभाव है, जो एक–दो दलित या ओबीसी नेता सामने दिखाई भी देते हैं, उनकी अपने समाज में पैठ नहीं के बराबर है। कुल मिलाकर आज की तारीख में बीजेपी आलाकमान ने दलितों और ओबीसी को लुभाने के लिए अपने कुछ अगड़ी जाति के नेताओं को आगे कर रखा है। ऐसे में लोकसभा चुनाव के समय यह सही तरह से पता चल पायेगा कि दलितों और ओबीसी समाज को ऊंची जाति के रहनुमाओं की सरपरस्ती कितनी रास आती है।

सीएम योगी और डिप्टी सीएम केशव के मनमुटाव की खबरें आती रहती हैं। इसीलिये पूछा जा रहा है यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य दीपोत्सव कार्यक्रम में अयोध्या क्यों नहीं गए? जितने लोग, उतनी बातें। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक समेत कई मंत्री उस दिन वहां मौजूद रहे। केशव प्रसाद मौर्य के लिए हेलिकॉप्टर लखनऊ में था। अयोध्या रवाना होने से पहले डिप्टी सीएम पाठक अपने सहयोगी डिप्टी सीएम मौर्य के घर पहुंचे। दोनों को एक ही हेलिकॉप्टर से अयोध्या जाना था। लेकिन केशव मौर्य ने पेट में दर्द के कारण अयोध्या यात्रा रद्द कर दी। ब्रजेश पाठक को अकेले अयोध्या जाना पड़ा। बताया जाता है कि इसी हेलिकॉप्टर में एक ऐसे व्यक्ति बैठे थे जिनका साथ डिप्टी सीएम केशव को पसंद नहीं है। पर क्या यही असली वजह थी, यह केशव ही बता सकते हैं। ये सवाल इसीलिए उठ रहा है कि क्योंकि पिछले कुछ दिनों में केशव प्रसाद कई मौकों पर गैर हाजिर रहे। लखनऊ से बाहर पहली बार अयोध्या में 9 नवंबर को यूपी कैबिनेट की बैठक हुई। योगी सरकार के सभी मंत्रियों ने पहले हनुमान गढ़ी में पूजा की। फिर सबने रामलला के दर्शन किए। कैबिनेट की मीटिंग में डिप्टी सीएम केशव नहीं पहुंचे। अयोध्या में योगी कैबिनेट की बैठक में केशव के न पहुंचने पर बताया गया उन्हें एमपी चुनाव की जिम्मेदारी दी गई थी इसलिए वह नहीं आ पाये। इसके बाद लखनऊ में होते हुए भी जब मौर्य अयोध्या में हुए भव्य दीपोत्सव में नहीं पहुंचे तो सोशल मीडिया पर तरह तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं।

गौर करने की बात यह है कि इससे पूर्व लखनऊ में होने पर भी मौर्य 31 अक्टूबर की कैबिनेट की बैठक में भी शामिल नहीं हुए थे। उसी दिन मुख्यमंत्री ने लोकभवन में मंत्रिमंडल के सहयोगियों के साथ अभिनेत्री कंगना रनौत की फिल्म तेजस देखी, लेकिन उसमें भी मौर्य दिखाई नहीं दिए। उस दिन लखनऊ में आयोजित दूसरे कार्यक्रमों में भी मौर्य शामिल नहीं हुए थे। खैर, बात जहां तक केशव की नाराजगी में विपक्ष के चटखारे लेने की है तो समाजवादी पार्टी तो केशव के मामले में मौके की ताक में बैठी ही रहती थी। उसे ये मौका सोशल मीडिया के एक पोस्ट से मिल गया। केशव प्रसाद मौर्य ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर एक री पोस्ट किया था। बाद में उसे हटा लिया गया। डायल 112 में काम करने वाली लड़कियां अपना वेतन बढ़ाने को लेकर धरने पर थीं। इस पर एक रिपोर्ट को डिप्टी सीएम केशव ने री पोस्ट कर दिया था। समाजवादी पार्टी के चर्चित प्रवक्ता आईपी सिंह ने उनका ये पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने लिखा है कि बीजेपी पिछड़ा और दलित विरोधी है। जातीय जनगणना की मांग करने के कारण बीजेपी अब डिप्टी सीएम मौर्य से किनारा कर रही है।

पिछले दो कैबिनेट की बैठकों में केशव प्रसाद मौर्य नजर नहीं आए हैं। बात 31 अक्टूबर की है। लखनऊ के लोक भवन में कैबिनेट की मीटिंग थी। उसी दिन सवेरे रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम में वे योगी आदित्यनाथ के साथ मौजूद रहे। पर कुछ ही घंटे बाद हुई कैबिनेट बैठक में उनका इंतजार ही होता रहा। उसी दिन कंगना रनौत की फिल्म तेजस का प्रीमियर शो भी रखा गया था। इसमें मुख्यमंत्री के साथ सभी मंत्री आए, पर डिप्टी सीएम मौर्य नहीं देखे गए। पर उसी दिन शाम को शहर के एक कार्यक्रम में वे दो घंटे तक मौजूद रहे। जनेश्वर मिश्रा पार्क में नाटक जाणता राजा का मंचन हुआ। पूरे समय तक केशव प्रसाद मौर्य वहां थे।

बहरहाल, तमाम किन्तु–परंतुओं के बीच सोशल मीडिया से लेकर सत्ता के गलियारों में तरह तरह की बातें हो रही हैं। बीजेपी कैंप में भी इस बात को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। पूरे मामले में केशव प्रसाद मौर्य खामोश हैं। ये भी कहा जा रहा है कि उनको फूलपुर से लोकसभा चुनाव भी लड़ाया जा सकता है। हाल के दिनों में वे दिल्ली जाकर बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से भी मिलते रहे हैं। कुछ दिनों पहले गृह मंत्री अमित शाह से भी उनकी मुलाकात हुई थी। उल्लेखनीय है कि साल 2017 में चौदह साल के वनवास के बाद यूपी में बीजेपी की सरकार बनी थी। तब केशव प्रसाद मौर्य प्रदेश बीजेपी के अध्यक्ष थे। उनका नाम मुख्यमंत्री के दावेदारों में था, पर मौका योगी आदित्यनाथ को मिला था।

पुस्तकें मानवता का आधार

महात्मा गांधी ने कहा है कि पुराने वस्त्र पहनों पर नई पुस्तकें खरीदोस उन्होंने यह भी कहा कि पुस्तकों का महत्व रत्नों से कहीं अधिक है, क्योंकि पुस्तकें अंतःकरण को उज्जवल करती हैं। आज डिजिटल पढ़ाई का समय आ चुका है पर बुनियादी शिक्षा भारत में अभी भी पुस्तकों पर निर्भर है और पुस्तक ही देश के राष्ट्रीय चरित्र के निर्माण में एक सच्ची मार्गदर्शन की तरह होती है। सच्चाई भी यही है कि पुस्तकें ज्ञान के अंतःकरण और सच्चाईयों का भंडार होती है। आत्मभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम भी होती हैं। जिन्होंने पुस्तके नहीं पढी हैं या जिन्हें पुस्तक पढ़ने में रूचि नहीं है वे जीवन की कई सच्चाईयों से अनभिज्ञ रह जाते हैं। पुस्तकें पढ़ने का सबसे बड़ा फायदा यह होता है कि हम जीवन की कठिन परिस्थितियों से जूझने की शक्ति से परिचित हो जाते हैं,और समस्या कितनी भी बड़ी हो हम उससे जीतकर निजात पा जाते हैं। कठिन से कठिन समय पर पुस्तकें हमारा मार्गदर्शन एवं दिग्दर्शन करती है। जिन मनीषियों ने पुस्तक लिखी है और जिन्हें पुस्तकें पढ़ने का शौक है उन्हें ज्ञानार्जन के लिए इधर–उधर भटकने की आवश्यकता नहीं होतीहैं। पूर्व राष्ट्रपति डॉ एपीजे कलाम साहब ने कहा है कि एक पुस्तक कई मित्रों के बराबर होती है और पुस्तकें सर्वश्रेष्ठ मित्र होती हैं। शिक्षाविद चार्ल्स विलियम इलियट ने कहा कि पुस्तके मित्रों में सबसे शांत व स्थिर हैं, वे सलाहकारों में सबसे सुलभ और बुद्धिमान होती हैं और शिक्षकों में सबसे धैर्यवान तथा श्रेष्ठ होती हैं। निसंदेह पुस्तकें ज्ञानार्जन करने मार्गदर्शन एवं परामर्श देने में में विशेष भूमिका निभाती है। पुस्तकें मनुष्य के मानसिक, सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक,नैतिक, चारित्रिक, व्यवसायिक एवं राजनीतिक विकास में अत्यंत सहायक एवं सफल दोस्त का फर्ज अदा करती हैं। प्राचीन काल से ही बच्चों तथा नौनिहालों के विकास के लिए पुस्तकें लिखे जाने का चलन तथा रिवाज रहा है। श्पंचतंत्रश्तथा श्हितोपदेशश् इसके बहुत बड़े उदाहरण हैं। पंचतंत्र,हितोपदेश में ज्ञानार्जन के लिए एवं संस्कृति सभ्यता और शिक्षा के उपयोग की बातें जो दैनिक जीवन में अत्यंत प्रभावशाली तथा उपयोगी होती है, लिखी गई हैं। और यही पुस्तकें इस देश की सभ्यता संस्कृति के संरक्षण तथा प्रचार प्रसार में अहम भूमिका निभाती आई है। इसी तरह की पुस्तकों ने ज्ञान का विस्तार भी किया है। विश्व की हर सभ्यता मे लेखन सामग्री का बड़ा ही महत्वपूर्ण योगदान रहा है। पुस्तकों के माध्यम से ही धर्म जाति संस्कृति एवं शिक्षा की मार्गदर्शिका से ही समाज आगे बढ़ा है। अच्छी किताबें अच्छे मार्गदर्शक तथा शिक्षित तथा अशिक्षित समाज को चेतना तथा सद्गुणों से संचारित करती है, व्यक्ति के अंदर मानसिक क्षमता का विकास भी होता है। ऐतिहासिक किताबें हमें इतिहास, धर्म, राजनीति, संस्कृति के अनेक पहलुओं से अवगत भी कराती है,जिससे व्यक्तित्व विकास में अत्यंत सहायता मिलती है। पुस्तकों के महत्व को देखते हुए डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने कहा कि पुस्तके वह साधन है जिसके माध्यम से हम विभिन्न संस्कृति एवं समाज के बीच सेतु का निर्माण कर सकते हैं। पुस्तके वह मित्र होती हैं जो हर परिस्थिति तत्काल में सहायक होती है, और यही कारण है कि अनेक लोग गुरुवाणी, हनुमान चालीसा अभी अपने पास रखते हैं। वर्तमान युग डिजिटल युग कहलाता है अब इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में प्रिंट मीडिया के स्थान पर अपने पैर जमा लिए हैं। इस डिजिटल युग में इंटरनेट का महत्व काफी बढ़ गया है। पहले हम बचपन में चंदा मामा, नंदन, बालभारती और अन्य किताबों से ज्ञान से लेकर मनोरंजन तक प्राप्त करते थे। आज इंटरनेट के बढ़ते बाजार की दिशा में युवक पुस्तकों को विभिन्न साइटों मैं खंगाल कर पढ़ लेते हैं। अब डिजिटल किताबें भी आ गई है साथ ही डिजिटल लाइब्रेरी भी धीरे–धीरे विकसित हो रही है। पर कई कंपनियां विविध किताबों को साइट पर प्रकाशित कर बच्चों के पढ़ने के लिए उपलब्ध करा रही हैं। इससे बड़ी संख्या में बच्चे पढ़ कर लाभान्वित हो रहे हैं। इस दिशा में भारत सरकार तथा राज्य सरकारों द्वारा डिजिटल कार्यक्रमों के अंतर्गत ई शिक्षा तथा ई पुस्तकों के पुस्तकालयों के माध्यम से उपलब्ध कराई जा रही पठन सामग्रियां बच्चों की जिज्ञासा को शांत करने का काम कर रही है। डिजिटल किताबों तथा पुस्तकालयों से यह लाभ है कि देश विदेश में किसी भी भाग में रहकर लोग अपनी इच्छा के अनुसार पुस्तकों पत्रिकाओं आदि को पढ़ सकते हैं। इंटरनेट अब अध्ययन का सुलभ साधन बन गया है। पर दूसरी तरफ इससे कुछ नुकसान भी हो रहे हैं, उचित मार्गदर्शन वाली किताबें न पढ़कर भ्रामक पुस्तकों का अध्ययन कर अपने को दिग्भ्रमित कर रहे हैं और इससे बच्चों का भविष्य भी प्रभावित हो रहा है। इसके लिए छोटे बच्चों को अपनी निगरानी में इंटरनेट से किताबें पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना अन्यथा दिगभ्रमित साहित्य बच्चों की मानसिकता पर विकृत प्रभाव डाल सकता है। इस प्रकार हम यह कह सकते हैं कि पुस्तकें ज्ञान देने के साथ मार्गदर्शन तथा चरित्र निर्माण का सर्वोत्तम साधन है। पुस्तकों से राष्ट्र की युवा कर्ण धारों को नई दिशा दी जा सकती है तथा एकता और अखंडता का संदेश देकर एक महान और सशक्त राष्ट्र की पृष्ठभूमि रखी जा सकती है।

बाइडेन-जिनपिंग मुलाकात का अर्थ

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग में 4 घंटे चली मुलाकात में यद्यपि कोई अहम समझौता तो नहीं हुआ लेकिन कई जरूरी बातों पर सहमति बनीं। एशिया प्रशांत आर्थिक सहयोग शिखार सम्मेलन के मौके पर सैनफ्रांसिस्को में दोनों नेताओं में हुई बातचीत पर दुनियाभर की नजरें लगी हुई थीं। एक साल पहले जी–20 बाली शिखर सम्मेलन के बाद दोनों नेताओं की यह पहली बैठक थी। हालांकि सालभर बाइडेन और शी जिनपिंग तीखी बयानबाजी करते रहे हैं। बैठक के बाद दोनों नेताओं में बयान जारी कर बातचीत को सफल करार दिया और कहा कि बैठक का मकसद यही था कि अमेरिका और चीन संचार के चौनल खुले रखेंगे ताकि किसी तरह का भ्रम न पैदा हो। जब भी जरूरत होगी दोनों नेता एक–दूसरे का फोन उठाएंगे। ऐसा कोई मसला खड़ा हो तो बात करके दोनों आगे बढ़ेंगे। हालांकि बैठक के बाद जो बाइडेन ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि वह अब भी शी जिनपिंग को एक तानाशाह के तौर पर देखते हैं। बाइडेन ने जिनपिंग से उन कंपनियों को लेकर बात की जो दवाओं के लिए जरूरी कैमिकल्स तैयार करती हैं।

अमेरिका के आसमान में चीनी जासूसी गुब्बारों और हमास इजराइल युद्ध पर भी बात की। इस बैठक के बाद बहुत सारे सवाल खड़े हो गए हैं कि क्या अमेरिका और चीन करीब आ रहे हैं? क्या ताइवान के मुद्दे पर अमेरिका की चीन से डील हो गई है? बाइडेन का यह कहना कि वो वन चाइना पॉलिसी का समर्थन करते हैं और वह अपने स्टैंड पर कायम रहेंगे। वन चाइना पॉलिसी का समर्थन करने का सीधा मतलब यह है कि अमेरिका ताइवान पर चीन की दादागिरी का मौन समर्थ्रन करता रहेगा जो उनकी रणनीति के विपरीत है। दोनों देशों ने उन सैन्य संपर्कों को फिर शुरू करने पर सहमति जताई जिन्हें चीन ने अगस्त 2022 में तत्कालीन प्रतिध्निधि सभा अध्यक्ष नैंसी पेलोसी के ताइवान दौरे के बाद तोड़ दिया था। दोनों देशों के रक्षामंत्री भी अब शीघ्र ही मुलाकात करेंगे। चीन घातक दवा और नशीले पदार्थ्रों में मिलावट करने वाली दवा फेंटेनल के निर्माण और निर्यात पर रोक लगाने के लिए भी सहमत हो गया है। प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से अमेरिका और चीन द्विपक्षीय और वैश्विक मुद्दों पर एक साथ आए हैं। ऐसी बातें भी कही गईं कि दोनों देश दुनिया के घ् लिए और इतिहास के लिए भारी जिम्मेदारियां निभाते हैं। चीन और संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे दो बड़े देशों के लिए एक–दूसरे से मुंह मोड़ना कोई विकल्प नहीं है। दुनिया कोविड महामारी से उभर चुकी है लेकिन अभी भी जबर्दस्त प्रभाव में है। वैश्विक अर्थव्यवस्था में सुधार हो रहा है लेकिन इसकी गति सुस्त बनी हुई है। इजराइल हमास युद्ध और ताइवान मुद्दे पर मतभेदों के चलते दोनों देशों में तनाव है लेकिन चीन अमेरिका के साथ वार्ता करने को तैयार क्यों हुआ इसके भी अपने कारण हैं। अमेरिका ने अभी भी चीन पर लगाए व्यापार और सैन्य प्रतिबंध वापिस नहीं लिए हैं।

नई दिल्ली के लिए सबसे बड़ी चिंता चीन द्वारा अमेरिकी कारोबार को लुभाने की है। बाइडेन से मुलाकात के बाद कॉर्पोरेट नेताओं से बात करते हुए शी ने कहा "चीन–अमेरिका संबंधों का दरवाजा अब फिर से बंद नहीं किया जा सकता है३ हमें और अधिक पुल बनाने और अधिक सड़कें बनाने की जरूरत है।" यह बयान अमेरिका और वैश्विक पूंजी के लिए चीन के कई हालिया प्रस्तावों में से एक है, जिसमें इस महीने की शुरुआत में हांगकांग में ग्लोबल फाइनेंशियल लीडर्स शिखर सम्मेलन भी शामिल है। यह आश्चर्य की बात नहीं है क्योंकि कॉर्पोरेट अमेरिका परंपरागत रूप से चीन का चौंपियन रहा है। हाल ही में, हालांकि, भू–राजनीतिक तनाव, अनुचित कोविड प्रतिबंध और धीमी चीनी अर्थव्यवस्था ने उस विश्वास को काफी नुकसान पहुंचाया है। अमेरिकन चौंबर ऑफ कॉमर्स के अनुसार 2023 में, चीन के बारे में अमेरिकी व्यापार का आशावाद 1999 के बाद से सबसे कम हो गया है। अनुमान है कि चीन से पूंजी और निवेश की संभावित उड़ान से भारतीय अर्थव्यवस्था को काफी फायदा हो सकता है। हालांकि, शी की पहुंच से पता चलता है कि बीजिंग व्यापार की खातिर अपनी कुछ राजनीतिक बयानबाजी को अलग रखने को तैयार है। फिर, भारत को अमेरिका के साथ अपने राजनयिक और रणनीतिक संबंधों को मजबूत करना जारी रखना चाहिए, भले ही वह अधिक आकर्षक निवेश गंतव्य बनने के लिए और अधिक प्रयास करें। भारत को अमेरिका चीन संबंधों पर पैनी नजर रखनी होगी और अपने हितों की रक्षा के लिए मजबूती से काम करना होगा।

नीतीश का मास्टर स्ट्रोक

बिहार के मुख्यमंत्री सामाजिक न्याय की दिशा में काम करने के मामले में नए रोल मॉडल के रूप में सामने आए हैं, क्योंकि बिहार विधानसभा ने राज्य में आरक्षण को 75 प्रतिशत तक बढ़ाने के लिए एक विधेयक को मंजूरी दे दी है। जैसा कि हममें से ज्यादातर लोगों को उम्मीद थी, बिहार जाति सर्वेक्षण में यह दर्शाया गया कि पिछड़े लोग राज्य की आबादी का सबसे बड़ा हिस्सा हैं, 63ः से अधिक। यदि जाति जनगणना राष्ट्रीय स्तर पर की जाती है, जैसा कि राहुल गांधी और विपक्षी भारतीय गुट ने प्रमुखता से मांग की है, तो इसका परिणाम बिहार सर्वेक्षण से बहुत भिन्न नहीं हो सकता है। यह दर्शाता है कि नीतीश कुमार वीपी सिंह की राह पर सख्ती से चलते हुए प्रधानमंत्री पद पर नजर गड़ाए हुए हैं और उन्होंने बीजेपी के हिंदुत्व के एजेंडे को आगे बढ़ा दिया है। परिणामस्वरूप जाति जनगणना का मुद्दा बिहार के बाहर जोर पकड़ेगा और इसका झारखंड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में जोरदार प्रभाव पड़ेगा। इससे पहले वीपी सिंह द्वारा जातिगत आरक्षण लागू करने से भाजपा की अखिल–हिंदू अपील को नुकसान पहुंचा और जाति–आधारित क्षेत्रीय दलों को भारी ताकत मिली, जिनमें से अधिकांश उनके सहयोगी थे। नीतीश भी ऐसे समय में जाति सर्वेक्षण लेकर आए हैं, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने हिंदुत्व के अपने अखिल हिंदू मुद्दे के साथ अपना वोट आधार मजबूत कर लिया है।बिहार सर्वेक्षण का एक राजनीतिक पक्ष भी है और इसमें वीपी सिंह के मंडल की तरह ही भाजपा के कड़ी मेहनत से बनाए गए हिंदुत्व वोट बैंक को विभाजित करने की क्षमता है। बिहार जाति सर्वेक्षण स्पष्ट रूप से मंडल भाग–2 को सुलझाने की पूरी क्षमता रखता है।एक साथ रहे तो फिर जीते कांग्रेस

25 नवंबर को होने वाले 200 सदस्यीय विधानसभा चुनाव में राजस्थान में कांग्रेस की सात गारंटी बनाम भाजपा की केंद्रीय योजनाओं की लड़ाई है। हालांकि, बड़े पैमाने पर असंतोष दोनों पार्टियों को परेशान करता है, जिसके परिणामस्वरूप दोनों में विश्वास की कमी होती है। परिणाम के संबंध में शायद यही प्रमुख कारण है कि भाजपा मुख्यमंत्री पद का चेहरा पेश नहीं कर रही है, ''सामूहिक नेतृत्व'' के साथ जाना पसंद कर रही है, और कांग्रेस अपने अभियान के मुख्य चेहरे के रूप में अशोक गहलोत को जारी रखे हुए है। भाजपा के स्टार प्रचारक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं और प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना को अगले पांच वर्षों के लिए बढ़ाने की हालिया घोषणा को उसके समर्थकों ने एक प्रमुख मास्टर स्ट्रोक के रूप में लिया है। राजस्थान में कांग्रेस विकास और कल्याण के लिए कुछ अग्रणी योजनाओं को सामने रखते हुए, गहलोत के काम के आधार पर चुनाव में जा रही है। काम किया दिल से कांग्रेस सरकार फिर से (हमने ईमानदारी से काम किया है इसलिए कांग्रेस को फिर से आना चाहिए। इस बीच सीएम अशोक गहलोत ने संकेत दिया है कि उनके और उनकी पार्टी के सहयोगी सचिन पायलट के बीच संबंध सामान्य हैं। गहलोत ने बैठक की एक तस्वीर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट की। फोटो का शीर्षक था रू "एक साथ। जीत रहे हैं फिर से।" हालांकि पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने कहा कि वह राज्य में "माफ करो, भूल जाओ और आगे बढ़ो" के मंत्र के साथ काम कर रहे हैं। पार्टी प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे और एआईसीसी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की सलाह के अनुसार। 200 सदस्यीय राजस्थान विधानसभा के लिए 25 नवंबर को मतदान होगा और वोटों की गिनती 3 दिसंबर को होगी।

विजयेन्द्र की चुनौती कर्नाटक में विपक्ष के रूप में भाजपा बी.वाई. को श्रेय देकर लोकसभा चुनाव से पहले अनुकूल माहौल बनाने का प्रयास कर रही है। विजयेंद्र पार्टी प्रदेश अध्यक्ष का पद संभाल रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येदियुरप्पा ने घोषणा की कि जल्द ही एक लाख से अधिक कार्यकर्ताओं का एक विशाल सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। जबकि विजयेंद्र ने पार्टी कार्यकर्ताओं से राज्य की सभी 28 सीटें जीतकर अगले लोकसभा चुनाव में जीत हासिल करने पर जोर देने को कहा। प्रमुख लिंगायत–वीरशैव समुदाय से संबंधित, विजयेंद्र ने पार्टी विधायकों को केवल विशिष्ट समुदायों के साथ पहचान बनाने के बजाय खुद को पार्टी कार्यकर्ता के रूप में देखने के लिए प्रेरित करके समावेशिता का संकेत दिया।

माया का दलित–मुस्लिम समीकरण 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले राज्य में एक मजबूत संगठनात्मक ढांचे पर जोर देते हुए, बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने राज्य में गतिविधियों की प्रतिक्रिया लेने के लिए यूपी में विभिन्न पार्टी प्रभागों के समन्वयकों से मुलाकात शुरू कर दी है और प्राथमिकता तैयार करना है यथाशीघ्र बूथ स्तर पर कमेटियां बनाई जाएं। इन समितियों में पार्टी के सात से आठ सदस्य होंगे जो विभिन्न जाति समूहों से होंगे। दूसरी ओर, बसपा दलित–मुस्लिम फॉर्मूले पर सख्ती से काम कर रही है और सर्वसमाज के बीच समर्थन आधार बढ़ाने के लिए गांवों में छोटी कैडर–आधारित बैठकें आयोजित कर रही है और अपने दलितों और मुस्लिम वोटों को एकजुट करने की कोशिश कर रही है। मायावती ने भी दलितों और ओबीसी को एकजुट करने के लिए जातीय जनगणना की मांग उठाई है।

0000मीनरू– महत्वाकांक्षी अभिलाषाएं मन में असन्तुष्टि पैदा करेंगी। तामसिक विचारों को मन से दूर रखें। विपरीतलिंगी संबंधों के प्रति आकर्षण बढ़ेगा। भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति में ब्यय अपेक्षित है।

केशव प्रसाद मौर्य की नाराजगी और बढ़ी तो यूपी में बढ़ सकती हैं भाजपा की मुश्किलें

उत्तर प्रदेश में बीजेपी के दिग्गज नेता और डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्या हमेशा सुर्खियों में बने रहते हैं। मौर्या बीजेपी का बड़ा चेहरा है। खासकर पिछड़ा समाज को लुभाने के लिए बीजेपी आलाकमान वर्षों से केशव प्रसाद मौर्या की 'ताकत' का इस्तेमाल करता रहा है। पूर्वांचल में केशव का खास दबदबा है। केशव की ताकत का अंदाजा इसी से लग जाता है कि बीजेपी ने 2017 के विधान सभा चुनाव केशव प्रसाद मौर्या को एक तरह से सीएम चेहरे के रूप में प्रोजेक्ट करके चुनाव लड़ा और समाजवादी पार्टी को बड़े अतंर से हरा का सामना पड़ा था, लेकिन जब सीएम बनने की बारी आई तो केशव मौर्या को उनके खिलाफ चल रहे कुछ मुकदमों का हवाला देते हुए साइड लाइन कर दिया गया और बीजेपी आलाकमान ने हिन्दुत्व का नया प्रयोग करते हुए सीएम के रूप में गोरखपुर के तत्कालीन सांसद योगी आत्दियनाथ का चेहरा आगे कर दिया। परंतु बाद में पिछड़ों की नाराजगी को भांपते हुए केशव प्रसाद मौर्या को डिप्टी सीएम की कुर्सी दी गई, जिस पर बैठने से पहले तो केशव ने मना कर दिया, लेकिन हाईकमान के कहने पर उन्हें बेमन से डिप्टी सीएम बनना पड़ गया। उनके साथ ही ब्राह्मणों को लुभाने के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय में प्रोफेसर डा0 दिनेश शर्मा को भी उप मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ दिलाई गई। बाद में दिनेश शर्मा की जगह बृजेश पाठक को यह (उप मुख्यमंत्री की) जिम्मेदारी सौंप दी गई।

केशव डिप्टी सीएम तो बन गये थे, लेकिन इसके साथ ही उनकी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ ट्यूनिंग नहीं बैठने की खबरें भी आने लगीं। केशव प्रसाद मौर्या और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का कालीदास मार्ग पर सरकारी आवास अगल–बगल था, परंतु दोनों के बीच मुलाकात नहीं होती थी। हद तो तब हो गई जब केशव प्रसाद मौर्या के पिता जी का निधन हो गया और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को उनके आवास जाकर शोक व्यक्त करने में हफ्ते भर का समय लग गया। इसके बाद तो अक्सर ही कुछ महीनों के अंतराल पर योगी और केशव के बीच मनमुटाव की खबरें आम होने लगीं, जिसको समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव खूब हवा देते हैं। अखिलेश डिप्टी सीएम को स्टूल वाला उप मुख्यमंत्री तक कह कर संबोधित करते रहे हैं। वह अक्सर कहते रहते हैं कि केशव यदि समाजवादी पार्टी में आ जायें तो समाजवादी पार्टी उन्हें सीएम बना देगी।

दरअसल बीजेपी में केशव प्रसाद मौर्या की बेइज्जती की खबरें फैला कर अखिलेश पिछड़ों को बीजेपी की खिलाफ भड़काने की मुहिम लम्बे समय से चला रहे हैं। इधर आजकल एक बार फिर से केशव प्रसाद मौर्या की नाराजगी की खबरें आ रही हैं। हाल ही में अयोध्या में योगी की कैबिनेट की बैठक और इसके बाद अयोध्या में ही दीपोत्सव कार्यक्रम से लेकर अन्य कई सरकारी कार्यक्रमों में केशव प्रसाद मौर्या की अनुपस्थिति को केशव की नाराजगी से जोड़कर देखा जा रहा है। इसे लेकर सवाल उठ रहे हैं क्या ये महज एक संयोग है या फिर बात कुछ और है। आजकल केशव प्रसाद मौर्य के मन में क्या चल रहा है, इसे लेकर कई सवाल उठ रहे हैं। जरूरी नहीं कि हर बात जुबान से कही जाए। कई बार तो इशारे और कुछ मौकों पर उनकी गैर मौजूदगी ही सब कुछ कह जाती है। जिन्हें समझना है वे समझ ही जाते हैं। केशव प्रसाद मौर्या पिछड़ा समाज से आते हैं और पिछड़ा समाज को लुभाने के लिए बीजेपी एड़ी–चोटी का जोर लगा रही है, फिर केशव की अनदेखी क्यों हो रही है, इस सवाल का जवाब हर जागरूक नागरिक और बीजेपी के नेता/कार्यकर्ता जानना चाहते हैं। केशव की नाराजगी या कहें कि पार्टी में उनकी अनदेखी के चलते राजनीति के गलियारे में यह चर्चा आम है कि बीजेपी क्यों किसी बड़े दलित या पिछड़ा समाज के नेता को आगे बढ़ा या पचा नहीं पाती है। आज बीजेपी में पिछड़े और दलित नेताओं का पूरी तरह से अभाव है, जो एक–दो दलित या ओबीसी नेता सामने दिखाई भी देते हैं, उनकी अपने समाज में पैठ नहीं के बराबर है। कुल मिलाकर आज की तारीख में बीजेपी आलाकमान ने दलितों और ओबीसी को लुभाने के लिए अपने कुछ अगड़ी जाति के नेताओं को आगे कर रखा है। ऐसे में लोकसभा चुनाव के समय यह सही तरह से पता चल पायेगा कि दलितों और ओबीसी समाज को ऊंची जाति के रहनुमाओं की सरपरस्ती कितनी रास आती है।

सीएम योगी और डिप्टी सीएम केशव के मनमुटाव की खबरें आती रहती हैं। इसीलिये पूछा जा रहा है यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य दीपोत्सव कार्यक्रम में अयोध्या क्यों नहीं गए? जितने लोग, उतनी बातें। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक समेत कई मंत्री उस दिन वहां मौजूद रहे। केशव प्रसाद मौर्य के लिए हेलिकॉप्टर लखनऊ में था। अयोध्या रवाना होने से पहले डिप्टी सीएम पाठक अपने सहयोगी डिप्टी सीएम मौर्य के घर पहुंचे। दोनों को एक ही हेलिकॉप्टर से अयोध्या जाना था। लेकिन केशव मौर्य ने पेट में दर्द के कारण अयोध्या यात्रा रद्द कर दी। ब्रजेश पाठक को अकेले अयोध्या जाना पड़ा। बताया जाता है कि इसी हेलिकॉप्टर में एक ऐसे व्यक्ति बैठे थे जिनका साथ डिप्टी सीएम केशव को पसंद नहीं है। पर क्या यही असली वजह थी, यह केशव ही बता सकते हैं। ये सवाल इसीलिए उठ रहा है कि क्योंकि पिछले कुछ दिनों में केशव प्रसाद कई मौकों पर गैर हाजिर रहे। लखनऊ से बाहर पहली बार अयोध्या में 9 नवंबर को यूपी कैबिनेट की बैठक हुई। योगी सरकार के सभी मंत्रियों ने पहले हनुमान गढ़ी में पूजा की। फिर सबने रामलला के दर्शन किए। कैबिनेट की मीटिंग में डिप्टी सीएम केशव नहीं पहुंचे। अयोध्या में योगी कैबिनेट की बैठक में केशव के न पहुंचने पर बताया गया उन्हें एमपी चुनाव की जिम्मेदारी दी गई थी इसलिए वह नहीं आ पाये। इसके बाद लखनऊ में होते हुए भी जब मौर्य अयोध्या में हुए भव्य दीपोत्सव में नहीं पहुंचे तो सोशल मीडिया पर तरह तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं।

गौर करने की बात यह है कि इससे पूर्व लखनऊ में होने पर भी मौर्य 31 अक्टूबर की कैबिनेट की बैठक में भी शामिल नहीं हुए थे। उसी दिन मुख्यमंत्री ने लोकभवन में मंत्रिमंडल के सहयोगियों के साथ अभिनेत्री कंगना रनौत की फिल्म तेजस देखी, लेकिन उसमें भी मौर्य दिखाई नहीं दिए। उस दिन लखनऊ में आयोजित दूसरे कार्यक्रमों में भी मौर्य शामिल नहीं हुए थे। खैर, बात जहां तक केशव की नाराजगी में विपक्ष के चटखारे लेने की है तो समाजवादी पार्टी तो केशव के मामले में मौके की ताक में बैठी ही रहती थी। उसे ये मौका सोशल मीडिया के एक पोस्ट से मिल गया। केशव प्रसाद मौर्य ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर एक री पोस्ट किया था। बाद में उसे हटा लिया गया। डायल 112 में काम करने वाली लड़कियां अपना वेतन बढ़ाने को लेकर धरने पर थीं। इस पर एक रिपोर्ट को डिप्टी सीएम केशव ने री पोस्ट कर दिया था। समाजवादी पार्टी के चर्चित प्रवक्ता आईपी सिंह ने उनका ये पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने लिखा है कि बीजेपी पिछड़ा और दलित विरोधी है। जातीय जनगणना की मांग करने के कारण बीजेपी अब डिप्टी सीएम मौर्य से किनारा कर रही है।

पिछले दो कैबिनेट की बैठकों में केशव प्रसाद मौर्य नजर नहीं आए हैं। बात 31 अक्टूबर की है। लखनऊ के लोक भवन में कैबिनेट की मीटिंग थी। उसी दिन सवेरे रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम में वे योगी आदित्यनाथ के साथ मौजूद रहे। पर कुछ ही घंटे बाद हुई कैबिनेट बैठक में उनका इंतजार ही होता रहा। उसी दिन कंगना रनौत की फिल्म तेजस का प्रीमियर शो भी रखा गया था। इसमें मुख्यमंत्री के साथ सभी मंत्री आए, पर डिप्टी सीएम मौर्य नहीं देखे गए। पर उसी दिन शाम को शहर के एक कार्यक्रम में वे दो घंटे तक मौजूद रहे। जनेश्वर मिश्रा पार्क में नाटक जाणता राजा का मंचन हुआ। पूरे समय तक केशव प्रसाद मौर्य वहां थे।

बहरहाल, तमाम किन्तु–परंतुओं के बीच सोशल मीडिया से लेकर सत्ता के गलियारों में तरह तरह की बातें हो रही हैं। बीजेपी कैंप में भी इस बात को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। पूरे मामले में केशव प्रसाद मौर्य खामोश हैं। ये भी कहा जा रहा है कि उनको फूलपुर से लोकसभा चुनाव भी लड़ाया जा सकता है। हाल के दिनों में वे दिल्ली जाकर बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से भी मिलते रहे हैं। कुछ दिनों पहले गृह मंत्री अमित शाह से भी उनकी मुलाकात हुई थी। उल्लेखनीय है कि साल 2017 में चौदह साल के वनवास के बाद यूपी में बीजेपी की सरकार बनी थी। तब केशव प्रसाद मौर्य प्रदेश बीजेपी के अध्यक्ष थे। उनका नाम मुख्यमंत्री के दावेदारों में था, पर मौका योगी आदित्यनाथ को मिला था।

पत्नी और साले ने की इंस्पेक्टर की हत्या,कई महिलाओं से अफेयर की वजह से परेशान रहती थी बहन

लखनऊ। राजधनी लखनऊ के कृष्णानगर इलाके में हुई इंस्पेक्टर सतीश कुमार की हत्या का पुलिस ने रविवार को खुलासा कर दिया। पुलिस ने इंस्पेक्टर की पत्नी भावना सिंह और साले देवेंद्र को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, इंस्पेक्टर सतीश सिंह का कई महिलाओं से संबंध थे। इसके चलते पत्नी भावना सिंह से उनका लगातार झगड़ा होता था।

बहन को परेशान देखकर भाई देवेंद्र वर्मा ने इंस्पेक्टर की हत्या की साजिश रची। इस साजिश में इंस्पेक्टर की पत्नी भावना भी शामिल थी। मामले में पुलिस ने पिस्टल भी बरामद की है। कृष्णानगर की मानस नगर कालोनी में सतीश कुमार सिंह की रविवार रात गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वह पत्नी और बेटी के साथ रात में कार से राजाजीपुरम से लौटे थे। उनके गाड़ी से उतरते ही हमलावर ने उन पर गोलियां दाग दी थीं। पुलिस पत्नी की बताई बातों पर जांच कर रही थी। इसी बीच पुलिस को घर के पीछे रहने वाले उनके भाई अजीत के घर में लगे सीसीटीवी की रिकार्डिंग मिली। जिसमें घटना तो नहीं, लेकिन उस दौरान हुई फायरिंग की वाइस जरूर रिकार्ड हो गई। जिसमें 5 गोलियों की आवाज सुनाई पड़ती है। इसके करीब 65 सेकेंड बाद भावना के चीखने की आवाज सुनाई पड़ी। पुलिस ने जब इस बारे में भावना से पूछताछ की, तो बताया कि पहले उसे लगा कि पटाखा दगा है। जब गाड़ी से पति को गिरे देखा, तो चीखी। वारदात वाली रात आरोपी ने इंस्पेक्टर सतीश की लोकेशन को ट्रैक करने के लिए इंस्पेक्टर की क्रेटा कार में जीपीएस ट्रैकर लगा दिया था। आरोपियों ने जीपीएस ट्रैकर लगाकर अपने ही मोबाइल से कनेक्ट किया था। घटना वाली रात इंस्पेक्टर को परिवार के अन्य लोगों से अलग कर अकेले लाने का प्लान भावना सिंह ने ही रचा था। आरोपी ने पुलिस को गुमराह करने के लिए साइकिल खरीदी और हुडी पहनकर वारदात को अंजाम देकर फरार हो गया। फिर रास्ते में साइकिल और कपड़े फेंक दिए थे। सर्विलांस से बचने के लिए आरोपी ने अपना मोबाइल घर पर छोड़ दिया। साथ ही घर पर मौजूद भांजे से मोबाइल पर ऑनलाइन फूड डिलीवरी ऑर्डर करवा रहा था। जिससे कि लोकेशन घटनास्थल पर ना मिले। पुलिस ने 10 किलोमीटर के दायरे में 400 सीसीटीवी खंगाले तब जाकर आरोपी को ट्रैक किया गया। इसके बाद एक धुंधला फुटेज मिला। जिसमें संदिग्ध युवक दिख रहा है। एक युवक ने भी आरोपी को देखने की बात कही है। दूसरी तरफ पुलिस का मानना है कि संदिग्ध जिस भी फुटेज में दिखा, अकेला ही दिखा। लेकिन आसपास उसका कोई साथी जरूर होगा। जिसके साथ आया और वापस गया होगा। हत्या से जुड़े हर एंगल पर जांच पड़ताल की जा रही है। लखनऊ के कृष्णानगर में दीपावली की रात चौथी वाहिनी पीएसी के इंस्पेक्टर सतीश कुमार सिंह की हत्या कर दी गई थी। हत्यारे को उनके पल–पल के मूवमेंट की जानकारी थी। पता था कि उनके घर के पास लगा कैमरा खराब है। आगे गली बंद है। वह कब आएंगे और आते ही कब हमला करना है? वहीं, पत्नी का पति पर रंगीन मिजाज होने का आरोप लगाने के बाद पुलिस का शक उनके करीबी महिलाओं और उनसे जुड़े लोगों पर गहरा गया था। साथ ही मृतक के भाई के घर के बाहर लगे सीसीटीवी में रिकार्ड फायरिंग की आवाज के करीब 65 सेकेंड बाद इंस्पेक्टर की पत्नी और बेटी की चीखने की आवाज उन्हें भी सवालों के घेरे में ला रही थी। फिलहाल पुलिस जांच पड़ताल में जुटी है। दरअसल, पुलिस के हाथ हत्या से जुड़े जो अहम सुराग हाथ लगे, उसने हत्या का शक किसी करीबी की तरफ गहरा गया था। घटनाक्रम और हत्या करने के तरीके से साफ था कि हत्यारा या हत्या कराने वाला इंस्पेक्टर का बहुत करीबी था। उसको उनके हर मूवमेंट की जानकारी थी। इसके बाद ही सतीश की कॉल डिटेल खंगाली गई। वहीं पत्नी भावना के संदेह के आधार पर 4 लोगों से भी पूछताछ की गई। पुलिस की जांच में यह भी सामने आया था कि पति–पत्नी में पटती नहीं थी। इसी के चलते दोनों भाइयों में बंटवारा तक हो गया था। पुलिस सतीश की हत्या से किस–किस को फायदा हो सकता है और किस से रंजिश थी, इस बिंदु पर भी पड़ताल कर रही थी।

स्टेशन की सुरक्षा व्यवस्था भगवान भरोसे, 40 में से चार सीसीटीवी कैमरे गायब

उरई/जालौन। उरई स्टेशन की सुरक्षा भगवान भरोसे हो गई है। तीसरी आंख के लिए लगाए गए कैमरे गायब हो गए हैं। इससे चोरी समेत अन्य वारदातें होने की संभावना बढ़ गई है। सुरक्षा बलों के अधिकारियों का कहना है कि इस बारे में संबंधित विभाग के इंजीनियर को अवगत कराया जा चुका है लेकिन अब तक समस्या दूर नहीं हुई है। उरई रेलवे स्टेशन पर तीसरी आंख से निगरानी के लिए अलग–अलग स्थानों पर 40 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इसका कंट्रोल रूम पुराने उप स्टेशन प्रबंधक कार्यालय में बनाया गया है। कंट्रोल रूम में निगरानी की जिम्मेदारी आरपीएफ के जवानों को दी गई है। जो रोस्टर के अनुसार ड्यूटी करते हैं और कंट्रोल रूम के माध्यम से स्टेशन एरिया, प्लेटफॉर्म और वहां से गुजरने वाली ट्रेनों की निगरानी करते हैं। पिछले 15 दिन से अधिक समय से चार सीसीटीवी कैमरे अलग–अलग कारणों से गायब हो गए हैं। प्लेटफार्म नंबर एक पर आरपीएफ थाने के सामने लगे दो कैमरे गायब हैं। प्लेटफार्म नंबर दो और तीन पर झांसी की ओर जाने वाले रास्ते पर लगा कैमरा भी गायब है। इस बारे में आरपीएफ प्रभारी देशराज सिंह का कहना है कि 12, 32, 37 व 38 नंबर सीसीटीवी कैमरे के बारे में करीब 15 दिन पहले रेलवे के टेलीकॉम विभाग को अवगत करा दिया गया था, लेकिन अब तक इस बारे में कोई कार्रवाई नहीं हुई है। सीनियर सेक्शन इंजीनियर टेलीकॉम वीके गुप्ता का कहना हैं कि कैमरे खराब होने के बारे में उन्हें फिलहाल कोई जानकारी नहीं है। वह दिखवाते हैं। समस्या जल्द दूर कराई जाएगी।

18 दिनों में 1 करोड़ 53 लाख का जुर्माना,बांदा में 13,000 गाड़ियों का पुलिस ने किया चालान

बांदा। यातायात माह नवंबर के तहत जनपद में यातायात जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें यातायात नियमों का पालन नहीं करने वालों पर कड़ी नजर रखता है और जुर्माने की कार्रवाई भी करता है। इसी कड़ी में जनपद बांदा के अलग अलग जगहों पर यातायात नियमों का पालन करने के लिए जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। जिससे सड़क दुर्घटनाओं को कम से कम किया जा सके और वहीं यातायात नियमों का पालन नहीं करने वालों पर कार्रवाई भी की जा रही है। इस बार प्रशासन ने रिकार्ड तोड़ इसके तहत कई कार्यक्रम भी किए जाते हैं। वहीं इस माह प्रशासन यातायात नियमों का पालन न करने वालों पर कड़ी नजर रखता है और जुर्माने की कार्रवाई भी करता है। इसी कड़ी में जनपद बांदा के अलग अलग जगहों पर यातायात नियमों का पालन करने के लिए जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। जिससे सड़क दुर्घटनाओं को कम से कम किया जा सके और वहीं यातायात नियमों का है, जिसमें लोगों को पूरे माह यातायात नियमों के पालन के लिए जागरूक किया जाता है। कार्रवाई की है। आपको बता दें की 1 नवंबर से 18 नवंबर के बीच लगभग 13,000 गाड़ियों का चालान किया जा चुका है, जिनका जुर्माना लगभग 1 करोड़ 53 लाख रुपए किया गया है और वहीं 15 गाड़ियों को सीज भी किया गया है। अभी इस माह को खत्म होने में अभी कुछ दिन बाकी भी है। जिसके चलते चालान की कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। आपको बताते चलें की यातायात प्रशासन सुबह से ही तैनात हो जाता है और दिन ढलने तक नियम विरुद्ध चालकों पर चालान की कार्रवाई में जुटा रहता है।

मुख्यमंत्री पहुंचे मथुरा, बांके बिहारी मंदिर में किया दर्शन पूजन

पीएम नरेंद्र मोदी के मथुरा दौरे की तैयारियों का लिया जायजा, 23 नवंबर को ब्रजरज उत्सव में शामिल होंगे प्रधानमंत्री

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे को लेकर यहां हो रही तैयारियों की समीक्षा करने रविवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एक दिवसीय दौरे पर वृंदावन पहुंचे। इस दौरान उन्होंने को व्यवस्थाओं व सुरक्षा संबंधित तैयारियों का जायजा लिया। सीएम योगी ने यहां श्रीबांके बिहारी मंदिर में पहुंचकर विधि–विधान से दर्शन पूजन किया और प्रदेशवासियों के लिए मंगल कामना की। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने प्राचीन मदन गोपाल मंदिर में दर्शन–पूजन किया। मुख्यमंत्री यहां से धोली प्याऊ के रेलवे मैदान पर चल रहे ब्रजरज उत्सव मेले में पहुंचे। उनका स्वागत सांसद हेमा मालिनी, उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शेलजा कांत मिश्रा, कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी, मथुरा के प्रभारी मंत्री संदीप सिंह और पूर्व सांसद तेजवीर सिंह आदि द्वारा किया गया। मुख्यमंत्री ने समूचे मैदान में भ्रमण कर व्यवस्थाओं को परखा। मैदान में भ्रमण दौरान जिलाधिकारी शैलेन्द्र सिंह ने योगी को 23 नवम्बर को प्रधानमंत्री के आगमन पर की जा रही तैयारियों के बारे में बताया। उत्तर प्रदेश बृज तीर्थ विकास परिषद के मुख्य कार्यपालक अधिकारी नगेंद्र प्रताप ने उन्हें बुकलेट के माध्यम से प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के लिए की गई व्यवस्थाओं की संक्षिप्त जानकारी दी। सीएम योगी इसके पश्चात ब्रज तीर्थ विकास परिषद कार्यालय पहुंचे, अधिकारियों के साथ प्रधानमंत्री के कार्यक्रम की तैयारियों के संबंध में बैठक की और कई दिशा–निर्देश दिये। इस दौरान प्रदेश के प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद भी मौजूद रहे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आगामी 23 नवंबर को ब्रजरज उत्सव में शामिल होने वृंदावन आ रहे हैं। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद और पर्यटन विभाग की ओर से रेलवे मैदान पर ब्रजरज उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत संत मीराबाई का जन्मोत्सव भी मनाया जा रहा है। प्रधानमंत्री के दौरे के दिन सांसद हेमा मालिनी भक्त मीराबाई पर अपनी प्रस्तुति देंगी। यह कार्यक्रम करीब डेढ़ घंटे का रहेगा। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मीराबाई पर पांच मिनट की डाक्यूमेंट्री भी देखेंगे।

पाठक, विधान परिषद सभापति कुंवर मानवेन्द्र सिंह एवं अध्यक्ष महेन्द्र कुमार तिवारी, अति विशिष्ट अतिथि राजेश सिंह प्रमुख सचिव विधान परिषद उत्तर प्रदेश, विशिष्ट अतिथि अरविंद त्रिपाठी पूर्व विधान परिषद सदस्य, डॉ पवन पुत्र बादल प्रबंध संपादक राष्ट्रधर्म,शिव शंकर अवस्थी, शिवगोपाल सिंह संयुक्त सचिव कारागार, इंजीनियर अरविंद कुमार जैन विभागाध्यक्ष पी डब्लू डी, बद्री प्रसाद तिवारी, महासचिव बुंदेलखंड सांस्कृतिक

बुंदेलखंड परिषद का मना स्थापना दिवस समारोह, बृजेश पाठक शामिल हुए

लखनऊ। बुन्देलखण्ड सांस्कृतिक एवं सामाजिक सहयोग परिषद का 37 वां स्थापना दिवस समारोह अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान गोमती नगर में रविवार को धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर रानी लक्ष्मीबाई जयंती मनाई गई। मुख्य अतिथि डिप्टी सीएम बृजेश विनोद कुमार शुक्ला, संरक्षक बनारसी दास एवं पुष्प लता अग्रवाल कार्यक्रम में उपस्थित रहे। इस अवसर पर सभी अतिथियों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई का नाटक मंचन विजय बेला थिएटर ग्रुप द्वारा प्रस्तुत किया गया जो कि बुंदेलखंड सहयोग परिषद के उपाध्यक्ष एवं नाटककार महेंद्र भीष्म द्वारा रचित एवं बांदा निवासी चंद्रभास द्वारा निर्देशित नाटक रानी लक्ष्मीबाई का मंचन किया गया। बुंदेले हरबोलों के मोह हमने सुनी कहानी थी, खूब लड़ी मर्दानी वह तो झांसी वाली रानी थी। सभी ने वीरांगना रानी झांसी को याद किया। इंजीनियर कैलाश जैन महासचिव बुंदेलखंड सांस्कृतिक एवं सामाजिक सहयोग परिषद द्वारा संस्था के कार्यकलापों के बारे में जानकारी दी गई एवं सभी का धन्यवाद किया।कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन द्वारा हुई। इस अवसर पर सभी अथितियों ने बुंदेलखंड से संबंधित विकास की चर्चा की और सरकार से आग्रह किया कि बुंदेलखंड में विकास की गति को तेज करना चाहिए और बुंदेलखंड के विकास में अपना योगदान जारी रखना चाहिए। उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने बुंदेलखंड में पेयजल समस्या के बारे में बताया कि हर घर जल योजना बुंदेलखंड में लगभग सभी जिलों में हो गया है इसके लिए सरकार बधाई की पात्र है। कार्यक्रम का संचालन अर्चना गुप्ता ने किया। इस अवसर पर सहयोग परिषद की स्मारिका का सभी मुख्य अतिथियों एवं विशिष्ट अतिथियों ने विमोचन किया । इस अवसर पर बुंदेलखंड सहयोग परिषद के सुरेंद्र अग्निहोत्री, वी के लिटोरिया, आलोक जैन, के पी प्रजापति ,रा एस खंगार, शिवमंगल सिंह, गणेश शंकर गुप्ता, दयाशंकर गुप्ता, शशांक अग्निहोत्री, योगेश कुमार सिंह चौहान, रजनी विश्वकर्मा, बीएस बुंदेला, एबीएस गुप्ता, राजीव लोचन आदि उपस्थित रहे।

छठ पर्व पर यूपी को केन्द्र सरकार का बड़ा तोहफा

नगर विकास अनुरोध पर रेल मंत्री ने मऊ से मुंबई की नई ट्रेन को दी मंजूरी

रेल मंत्री 22 नवम्बर को मऊ से करेंगे ट्रेन का वर्चुअल उद्घाटन

लखनऊ। प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्र एके शर्मा के प्रयासों से पूर्वांचल सहित उत्तर प्रदेश को छठ पर्व पर भारत सरकार ने एक बड़ा तोहफा दिया है। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंत्री एके शर्मा के पत्र का संज्ञान लेते हुए एवं उनके अनुरोध पर एक नई साप्ताहिक एक्सप्रेस रेल गाड़ी मऊ से मुंबई तक को मंजूरी दे दी है। केंद्रीय रेल मंत्री ने इस बात की जानकारी स्वयं मंत्री श्री शर्मा को फोन पर दी है। लोक आस्था के इस महापर्व छठ पूजा पर भारत सरकार द्वारा मऊ से मुंबई एक नई साप्ताहिक रेल गाड़ी की मंजूरी मिलना पूर्वांचल सहित उत्तर प्रदेश के लिए एक तोहफे से कम नहीं है। जिसके लिए प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का हृदय से धन्यवाद किया है। मंत्री श्री शर्मा ने भारत सरकार के रेल मंत्रालय से मऊ, आजमगढ़, शाहगंज, मुम्बई वाया प्रयागराज, कानपुर नई ट्रेन संचालन के लिए आग्रह पत्र लिखा था। जिसमें उन्होंने लिखा कि पूर्वोत्तर रेलवे अंतर्गत उत्तर प्रदेश के जनपद मऊ–शाहगंज–मुंबई वाया प्रयागराज–कानपुर रेल खंड पर मुंबई जाने हेतु एक मात्र ट्रेन गोदान एक्सप्रेस संचालित है। मऊ जनपद भ्रमण के दौरान आम जन मानस द्वारा संज्ञान में लाया गया कि यह ट्रेन मऊ से मुंबई तक वाया प्रयागराज, कानपुर आगरा कोटा रतलाम सूरत होकर जाती है। ट्रेन में लोगों को जगह नहीं मिलती है और काफी भीड़ भी होती है। अतः इस रूट पर एक नई ट्रेन संचालित किये जाने की आवश्यकता है। जिसका संज्ञान लेते हुए भारत सरकार के रेल मंत्रालय ने नई साप्ताहिक एक्सप्रेस रेल गाड़ी मऊ से मुंबई तक को मंजूरी दे दी है। जिसकी जानकारी केंद्रीय रेल मंत्री श्री वैष्णव ने स्वयं फोन कर मंत्री एके शर्मा को दी है। श्री शर्मा ने बाताया कि उनके आग्रह पर ही आगामी 22 नवम्बर दिन बुधवार को केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव इस ट्रेन का वर्चुअल उद्घाटन करते हुए हरी झंडी दिखायेंगे। जिसके साक्षी हम सब पूर्वांचल वासी बनेंगे। यह नई साप्ताहिक एक्सप्रेस रेल गाड़ी मऊ से शुरू होकर मुहम्दाबाद गोहना, आजमगढ़, शाहगंज, जौनपुर, प्रयाग राज होती हुई मुंबई जाएगी। छठ के पावन पर्व पर पूर्वांचल सहित उत्तर प्रदेश को दिए गए तोहफे के लिए भारत के प्रधानमंत्री एवं रेल मंत्री को हृदय से धन्यवाद और प्रदेश की जनता को बधाई दी है। श्री शर्मा ने कहा कि इस नई रेल गाड़ी से पूर्वांचल के विकास के और गति मिलेगी। रेल सेवा शुरू होने से यात्री सुविधा के साथ ही मऊ एवं पूर्वांचल से वस्त्र, कृषि उत्पाद, खाद्य और अन्य सामग्रियों का परिवहन भी सुगम होगा, जिससे व्यापार और उद्योग में सुधार होगा। रेल सेवाएं एक समय पर बहुत अधिक मात्रा में सामान को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचा सकती हैं, जिससे बाजार में सामान की उपलब्धता में सुधार होगा। इस रेल गाड़ी से सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने के साथ इनवायरनमेंटल लाभ मिलेगा। रेलवे ट्रांसपोर्ट पर्यावरण के लिए उत्तम है, क्योंकि अन्य परिवहन साधनों की तुलना में इसमें कम प्रदूषण और ऊर्जा की खपत होती है। इस ट्रेन से नौकरी करने वाले, व्यापारी एवं किसानों को विशेष लाभ मिलेगा।

48 किलो गांजे के साथ तस्कर गिरफ्तार

अलीगढ़। जिले में मादक पदार्थों की तस्करी के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। इगलास थाना पुलिस ने रविवार को एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से पुलिस ने 48 किलो गांजा बरामद किया है। जिसे अलीगढ़ में सप्लाई करने के लिए लाया गया था। आरोपी को गिरफ्तार करने के साथ ही पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है। जिससे कि आरोपी के पूरे नेटवर्क का पता लगाया जा सके। पूछताछ पूरी होने के बाद आरोपी को सोमवार को कोर्ट में पेश किया जाएगा और उसे जेल भेज दिया जाएगा। इगलास थाना प्रभारी सुरेंद्र कुमार पांडेय ने बताया कि उनकी टीम को मुखबिर के जरिए सूचना मिली थी कि अलीगढ़ में सप्लाई के लिए अवैध रूप से गांजा लाया गया है। जिसके बाद उनकी टीम ने ऑपरेशन नार्को के तहत नगला अहिवासी निवासी गणेश शर्मा पुत्र शिव नारायण शर्मा को गिरफ्तार किया। आरोपी के पास से आगरा नंबर की स्विफ्ट कार (यूपी80 सीटी 8282) बरामद हुई है। जिसमें अवैध गांजा रखा हुआ था। आरोपी इस गांजे की सप्लाई जिले के विभिन्न इलाकों में करने वाला था। जिसके बाद पुलिस ने तत्काल आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार इस गांजे की सप्लाई जिले में होने से पहले ही उन्होंने कार्रवाई कर दी है। पकड़े गए आरोपी गणेश शर्मा पुत्र शिव नारायण शर्मा का पुराना अपराधिक इतिहास है। आरोपी के खिलाफ इगलास थाने में ही 4 नामजद मुकदमें दर्ज हैं, जिसमें एनडीपीएस और चोरी जैसे मामलों के साथ गैंगस्टर एक्ट भी शामिल है। इससे पहले भी आरोपी कई बार जेल जा चुका है। अब पुलिस उसके सारे नेटवर्क का पता लगाने में जुटी है। आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम में इंस्पेक्टर इगलास सुरेंद्र कुमार पांडेय, एसआई जितेंद्र बालियान, एसआई योगेंद्र सिंह, हेड कांस्टेबल पुष्पेंद्र सिंह, कांस्टेबल कुंवरपाल सिंह और महिला कांस्टेबल नेहा शामिल रही।

पुरानी पेंशन बहाली पूर्व की भांति ही स्वीकार : वीपी मिश्र

लखनऊ। इंडियन पब्लिक सर्विस इंप्लाइज फेडरेशन इप्सेफ के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीपी मिश्रा ने बताया कि पीएमओ से रात्रि में उनके पास फोन आया कि पीएम जानना चाहते हैं कि ओपीएस बहाली के लिए भारत सरकार द्वारा गठित समिति से संतुष्ट हैं या नहीं। मैंने कहा कि समिति के गठन से संतुष्ट हैं और पुरानी पेंशन बहाली की संस्तुति करने पर देश के करोड़ों कर्मचारी परिवार उनका आभार व्यक्त करेंगे परंतु पूरी संतुष्टि तब होगी जब भारत सरकार बहाली का निर्णय घोषित करेगी। उन्होंने संदेश दिया कि लोकसभा चुनाव से पूर्व बहाली करेंगे अन्यथा लोकसभा चुनाव में एनडीए सरकार को भारी छति उठानी पड़ेगी। राज्यों के चुनाव में ही हमें दिखाई पड़ रहा है। श्री मिश्र ने प्रधानमंत्री को दोबारा संदेश भेज कर आग्रह किया है कि इस मुद्दे पर बातचीत के लिए अति शीघ्र तिथि व समय निर्धारित करके अवगत करें जिससे यह प्रकरण सुलझ सके। श्री मिश्र ने यह भी बताया है कि माह दिसंबर में इप्सेफ के राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक दिल्ली में होगी जिसमें भावी आंदोलन की रणनीति तय होगी।

सीमा हैदर ने भारत की जीत के लिये रखा व्रत

लखनऊ। 21 ओवरों के बाद भारत का स्कोर तीन विकेट पर 101 रन है। विराट कोहली 42 और केएल राहुल 21 रन पर खेल रहे हैं। क्रिकेट वर्ल्ड कप के फाइनल का रोमांच लोगों पर हावी है। शहर के मॉल से लेकर मल्टीप्लैक्स तक सभी जगह वर्लड कप के फाइनल के जोश में लोग डूबे हैं। पाकिस्तान से भारत आई सीमा हैदर ने भी भारत की जीत के लिए दुआ की है। सीमा हैदर का एक वीडियो सामने आया है जिसमें सीमा हैदर को पूजा करते हुए साफ तौर पर देखा जा सकता है। सीमा ने कहा कि आज उसका उपवास है और उसकी दुआ खाली नहीं जाएगी। सीमा ने कहा कि हम सभी देवी देवताओं से दुआ करते हैं कि भारत का परचम पूरी में दुनिया में लहराए।वर्ल्ड कप का फाइनल मैच आज अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला जा रहा है। पूरे देश की निगाहें इस मैच पर टिकी हुई हैं। देश विदेश से कई बड़ी हस्तियां इस मैच को देखने नरेंद्र मोदी स्टेडियम पहुंची है। वर्ल्ड कप टूर्मानेंट के सभी 10 मैचों में भारत का प्रदर्शन काफी शानदार रहा है। ऐसे में लोगों को पूरा विश्वास है कि इस बार जीत भारत को ही मिलेगी।

देव दीपावली में प्रज्ज्वलित होंगे 11 लाख दीप : जयवीर

10 लाख मिट्टी और एक लाख गाय के गोबर के होंगे दिए

लखनऊ। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि देव दीपावली पर काशी में गंगा घाटों पर जब दीप जगमगाते हैं तो वह छटा अद्भुत होती है। ऐसा लगता है तारे जमीन पर उतर आए हैं। इस अलौकिक छटा को देखने के लिए बड़ी संख्या में देश और विदेश से मेहमान काशी आते हैं। ये नजारा इस साल 27 नवंबर को दिखेगा। इस बार देव दीपावली पर 11 लाख दियों से घाटों को रोशन किया जाएगा। इसमें 1 लाख दिए गाय के गोबर से बने होंगे। श्री सिंह ने बताया कि इस बार कार्तिक पूर्णिमा 27 नवम्बर को पड़ रही है। इसी दिन देव दीपावली मनाई जाती है। देव दीपावली पर काशी के घाटों पर करीब 11 लाख दीप जगमगाएंगे। खास बात यह कि इसमें एक लाख दीये गाय के गोबर से बने होंगे। देव दीपावली की अद्भुत छटा देखने के लिए न केवल देश बल्कि विदेशों से भी लोग आते हैं। इस वर्ष सात से आठ लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान है। काफी संख्या में लोगों ने पहले से ही होटल आदि बुक कर लिए हैं। सरकार देव दीपावली के मौके पर पर्यटकों के लिए आतिशबाजी और लेजर शो का भी इंतजाम कर रही है। लोग इसका भी भरपूर आनंद ले सकते हैं।वैसे काशी तो पर्यटकों की पसंदीदा जगह है। जहां हर सीजन में लोग भ्रमण के लिए आते है। इस बार लोग देव दीपावली से चारकृपांच दिन पहले से भ्रमण की प्लानिंग कर सकते हैं। क्योंकि 23 से गंगा महोत्सव शुरू हो रहा है। यह भव्य आयोजन 26 नवंबर तक चलेगा। इस बार दो स्टेज हैं, एक राजेंद्र प्रसाद घाट पर तो दूसरा राजघाट। राजेंद्र प्रसाद घाट पर सांसद सांस्कृतिक कार्यक्रम के विजेता अपनी शानदा प्रस्तुति देंगे। इसी तरह राजघाट पर वाराणसी और दूसरी जगह के कलाकार अपनी प्रस्तुति देंगे। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि देव दीपावली को और भव्य बनाने का प्रयास किया जा रहा है। पर्यटकों की सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। जरूरत के हिसाब से लगातार तैयारियां की जा रही है।

संघर्ष न्याय द्वारा अनुज अवस्थी को बनाया गया प्रदेश मंत्री

कानपुर। श्री कृष्ण जन्मभूमि संघर्ष न्यास के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री दिनेश शर्मा जी की सहमति से अवश्वनी शर्मा राष्ट्रीय महामंत्री के द्वारा झींझक कस्बे के विकास नगर निवासी स्वरूश्री सुभाष चंद्र अवस्थी के ज्येष्ट पुत्र अनुज कुमार अवस्थी जी को न्यास के प्रदेश मंत्री पद का कार्यभार सौंपा गया।अनुज के प्रदेश मंत्री बनने की सूचना पर कस्बे के लोगों व शुभचिंतकों और मिलने वालों ने उनके निवास पहुँच कर बधाइयां दी।इस खुशी के मौके पर मुख्यरूप से संजय मिश्रा,श्री कुमार त्रिपाठी,आलोक मिश्रा,अमित गुप्ता उर्फ मोनू बजाज,प्रदीप वर्मा,ईशु गुप्ता,अतुल गुप्ता,प्रभात मिश्रा उर्फ लकी,अर्पित त्रिपाठी, रामगोपाल गुप्ता उर्फ कल्लू आदि लोग उपस्थित रहे।

भारत की जीत के लिए दुआ,क्रिकेटर रिंकू ने क्रिकेट प्रेमियों के लिए लगवाई स्क्रीन

अलीगढ़। क्रिकेट वर्ल्ड कप–2023 का फाइनल मुकाबला रविवार को भारत और आष्ट्रेलिया के बीच खेला गया। फाइनल मैच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। मैच के लिए जहां क्रिकेटर अपनी कमर बांधकर तैयारियों में जुटे हैं, वहीं दूसरी ओर खेल प्रेमी भी पूरी तरह से उत्साहित हैं। देश भर में खेल प्रेमी, भारतीय टीम की जीत के लिए दुआ कर रहे हैं। वहीं अलीगढ़ में भी भारतीय टीम की जीत के लिए ईश्वर और अल्लाह से दुआएं की जा रही हैं। खेल प्रेमियों का कहना है कि भारत निश्चित तौर पर इस बार फिर वर्ल्ड चौंपियन बनेगा और तिरंगा झंडा फिर से पूरे विश्व में फहराएगा। फाइनल मैच देखने के लिए खेल प्रेमियों ने विशेष तैयारियां भी की हैं। मुस्लिम समाज के लोगों ने वर्ल्ड कप में भारत की जीत के लिए दुआ की। सिविल लाइंस स्थित बरछी बहादुर की मजार पर हाफिज जुटे और अल्लाह से इबादत करके भारतीय टीम की जीत के लिए इबादत की। क्रिकेट प्रेमियों का मानना है कि इस बार का वर्ल्ड कप भारत निश्चित तौर पर जीतेगा। हाफिज मोहम्मद नसीम ने बताया कि इस बार भारतीय टीम ने वर्ल्ड कप में बेहतरीन प्रदर्शन किया है। टीम वर्ल्ड कप का एक भी मैच नहीं हारी है और ऐसा ही प्रदर्शन वह फाइनल में भी करेगी। इसके लिए उन्होंने अल्लाह से दुआ की है, जिससे कि भारत की आन, बान और शान, हमारा तिरंगा एक बार फिर पूरी दुनिया के सामने अपनी चमक बिखेरे। वर्ल्ड कप का फाइनल मुकाबला देखने के लिए जहां एक ओर खेल प्रेमियों ने अपने घरों में विशेष व्यवस्थाएं की हैं। वहीं दूसरी ओर खेल प्रेमियों के लिए महुआखोड़ा स्थित स्टेडियम में बड़ी स्क्रीन की व्यवस्था की गई है। इंडियन क्रिकेटर रिंकू सिंह ने खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों के लिए यह स्क्रीन लगवाई है।

कांग्रेस ने इंदिरा गांधी व झांसी रानी लक्ष्मीबाई की जयंती मनाई

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय लखनऊ में आज भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी जी एवं 1857 के स्वाधीनता संग्राम की नायिका झांसी की रानी लक्ष्मीबाई जी की जयन्ती पर पुष्पांजलि एवं गोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कांग्रेसजनों द्वारा आयरन लेडी स्व0 इंदिरा गांधी एवं झांसी की रानी लक्ष्मीबाई को याद करते हुए उन्हें अपनी पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए पूर्व मंत्री नकुल दुबे ने कहा कि आज देश को इंदिरा गांधी जैसे नेतृत्व की आवश्यकता है, जिससे देश को मजबूत एवं सशक्त बनाया जा सके। उत्तर प्रदेश में विपक्षी दलों द्वारा तरह–तरह की भ्रांतियां एवं भ्रम फैलाने का प्रयास किया जा रहा है, हमें इससे डरने की आवश्यकता नहीं है। देश को बचाने और बनाने की जिम्मेदारी कांग्रेस पार्टी की है। आज हमें इंदिरा गांधी के हिमालय जैसी दृढ़ संकल्पित सोच और रानी लक्ष्मीबाई जी के साहस एवं वीरता से सीख लेकर विपक्षी दलों का पूरी ताकत के साथ मुकाबला करने की आवश्यकता है। पूर्व मंत्री राजबहादुर ने कहा कि इंदिरा गांधी के नेतृत्व में दूरदर्शिता, अनुशासन, मेहनत और लगन कूट–कूट कर भरी हुई थी, जिससे हम सभी कांग्रेसजनों को आज के परिवेश में प्रेरणा लेने की आवश्यकता है। पूर्व विधायक इंदल रावत ने कहा कि इंदिरा जी कहती थी कि जिस दिन संघ के लोग सत्ता में बैठ जायेंगे उस दिन देश के संस्थान बिक जायेंगे, शिक्षण संस्थान बर्बाद हो जायेंगे, किसानों की अन्देखी होगी आज वही हो रहा है। हमें चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा तभी हम सत्ता में बैठे देश के लुटेरे अंग्रेजों को सत्ता से बाहर कर सकते हैं। इस अवसर पर उ0प्र0 कांग्रेस कमेटी के महासचिव(प्रभारी–प्रशासन) दिनेश सिंह ने कहा कि इंदिरा गांधी ने यह जानते हुए भी कि उनकी सुरक्षा में वे लोग लगे हुए हैं जो उनकी हत्या तक कर सकते हैं, उन्होंने इसकी परवाह किये बगैर उन्हें अपनी सुरक्षा में बनाये रखा, जो उनकी धर्मनिरपेक्षता के प्रति अटूट आस्था और उदार हृदयता को दर्शाता है। इंदिरा गांधी को याद करते हुए उ0प्र0 कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता डॉ0 सी0पी0 राय ने कहा कि 1942 में भारत छोड़ो आन्दोलन हिन्दुस्तान का सबसे बड़ा आन्दोलन रहा, जिसमें काफी दिनों तक वे जेल में रहीं। नेहरू जी के निधन के उपरान्त उन्हें सदन में जाने का मौका मिला और सत्ता में आने पर गूंगी गुड़िया कहलाने वाली इंदिरा जी ने जहॉ एक ओर देशी राजाओं के प्रिवीपर्स को समाप्त किया वहीं गरीबी हटाओ जैसा आन्दोलन चलाकर विपक्षियों को दिखा दिया कि उनमें कितना साहस और आत्मविश्वास हैं। 1971 में उन्होंने पाकिस्तान के दो हिस्से करके विश्व के इतिहास एवं भूगोल तक को बदल डाला। बेल्छी कांड का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि बरसात का मौसम और नदी में उफान के बावजूद हाथी की पीठ पर सवार होकर वे किस प्रकार इस हत्या काण्ड के पीड़ितों से मिलने वहॉ पहॅुची। उन्होंने कहा कि इंदिरा जी लहरों को बदल देने वाली आयरन लेडी थी, जिनके साहस से हमें आज सीख लेने की आवश्यकता है। संगोष्ठी को पूर्व विधायक सतीश अजमानी, अल्पसंख्यक विभाग के चेयरमैन शाहनवाज आलम, सूचना का अधिकार विभाग के चेयरमैन पुष्पेन्द्र श्रीवास्तव आदि ने भी सम्बोधित किया।

शिक्षक अभ्यर्थियों का धरना प्रदर्शन जारी, दूसरे दिन भी पहुंचे सपा नेता

लखनऊ। शिक्षक अभ्यर्थियों का कहना है कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी के घर पर प्रदर्शन कर अपनी मांगे पूरी करने का आग्रह किया। जहां उनकी सुनवाई नहीं हुई। पुलिस ने बल प्रयोग कर उन्हें वापस ईको गार्डेन पहुंचा दिया। पुलिस की धक्कामुक्की में कई लड़कियां बेहोश हो गई। बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा 69 हजार शिक्षक भर्ती का आयोजन वर्ष 2018 में किया गया। जिसकी परीक्षा के उपरान्त 21 मई 2020 को भर्ती परीक्षा का परिणाम जारी किया गया। तत्पश्चात 31 मई 2020 को 67867 अभ्यर्थियों की एक चयन सूची विभाग द्वारा प्रकाशित की गई जिसमें आरक्षित वर्ग (दिव्यांग, दलित, एवं पिछड़े) के अभ्यर्थियों ने पाया कि उनको मानक के अनुरूप आरक्षण नहीं दिया गया है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देश पर आज समाजवादी महिला सभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष जूही सिंह ने इन सहायक शिक्षक अभ्यर्थियों को न्याय दिलाने के लिए धरना स्थल पर पहुंचकर धरना दे रहे शिक्षक अभ्यर्थियों को आश्वासन दिया कि समाजवादी पार्टी आपके साथ है। सपा के नेताओं का आरोप है कि इसको लेकर आरक्षित वर्ग के 6800 अभ्यर्थियों ने बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारियों, तत्कालीन शिक्षा मंत्री सतीश द्विवेदी, भाजपा संगठन एवं सरकार के तमाम वरिष्ठ नेताओं के समक्ष अपनी पीड़ा रखी लेकिन उनकी समस्या का समाधान नहीं हो सका। सपा के नेताओं का कहना है कि दलित–पिछड़े वर्ग के अभ्यर्थी तीन वर्ष से सड़क से लेकर कोर्ट तक संघर्ष करते हुए मानसिक रूप से बहुत परेशान हो गए हैं। सभी 6800 आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों की प्रमुख मांगे निम्नवत है। आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों के प्रतिनिधिमण्डल की मुलाकात मुख्यमंत्री से कराई जाए। हाईकोर्ट के इस आदेश को सरकार डबल बेंच में चुनौती दें एवं डबल बेंच में मजबूत पैरवी करके 6800 आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों की नियुक्ति का मार्ग प्रशस्त करें।सहायक शिक्षक भर्ती में हुई अनियमितताओं के विरोध में शिक्षक अभ्यर्थी लखनऊ के इको गार्डेन में लगातार धरना प्रदर्शन कर रहे है। मासूम बच्चों के साथ महिलाएं भी रात दिन यहां धरना दे रही हैं। कई शिक्षक अभ्यर्थी ठंड के कारण बीमार हो चुके हैं उनका हाल जानने सरकार और शासन–प्रशासन का कोई भी अधिकारी अभी तक यहां नहीं पहुंचा है। समाजवादी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के अध्यक्ष डॉ. राजपाल कश्यप, प्रदेश अध्यक्ष समाजवादी अल्पसंख्यक सभा शकील नदवी समाजवादी महिला सभा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नेहा यादव, समाजवादी छात्र सभा के प्रदेश अध्यक्ष विनीत कुशवाहा, लखनऊ उत्तरी विधानसभा की पूर्व प्रत्याशी पूजा शुक्ला, समाजवादी महिला सभा की राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष वंदना चतुर्वेदी, श्याम कृष्ण गुप्ता प्रदेश उपाध्यक्ष समाजवादी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ, राजेन्द्र लोधी प्रदेश सचिव पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ, पूजा यादव बुन्देलखंडी, अकरम सिद्दीकी महासचिव अल्पसंख्यक सभा, ताज खान पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष अल्पसंख्यक सभा, विनोद यादव प्रदेश सचिव पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ, मीनाक्षी यादव प्रदेश सचिव अधिवक्ता सभा, मनोज पाल जिलाध्यक्ष लखनऊ पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ, अजय सिंह लोधी प्रदेश सचिव पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ, अरविन्द यादव सदस्य पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ, तरून प्रधान, कुलवंत कौर, दुर्गेश आदि प्रमुख नेताओं ने धरनास्थल पर पहुंचकर धरने पर बैठे अभ्यर्थियों के बीच उन्हें अपना समर्थन दिया।

ईंट से हमलाकर टेलर की हुई थी हत्या

उन्नाव। जिले के सफीपुर कोतवाली पुलिस ने रेलवे अंडरपास के नीचे दबिश देकर कपड़ा सिलाई कारीगर हत्याकांड के आरोपित को गिरफ्तार किए जाने का दावा किया है। गाली देने पर गुस्साए नशेबाज युवक ने ईंट से हमला कर टेलर की हत्या कर दी थी। पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर हत्यारोपी को जेल भेज दिया है। बतातें चलें कि दिल्ली में रहकर रेडीमेड कपड़ों की सिलाई करने वाले अचलगंज थाना क्षेत्र के जरगाव गांव निवासी अधेड़ छुन्नु सिंह पर्व मनाने अपनी बड़ी बहन सरिता सिंह के बह्नाना गांव स्थित घर आए थे। दिल्ली में साथ रहकर काम करने वाला भांजे फतेह बहादुर सिंह भी आया था। बीते 13 नवंबर की रात भांजा दूसरे घर के बाहर चारपाई डालकर सोने चला गया। सुबह छुन्नू सिंह का चारपाई पर शव पड़ा मिला। उसके सिर पर कई जगह चोट का निशान थे। भांजे की तहरीर पर अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या के आरोप में रिपोर्ट दर्ज कर खुलासे में जुटी पुलिस ने जानकारियां हासिल की। उसके बाद गांव निवासी एक दर्जन युवकों को उठाकर पूछताछ की गई। तब पुलिस वारदात का खुलासा कर सकी। इंस्पेक्टर श्याम नरायण सिंह ने बताया कि रात छुन्नू शराब पीकर लेट गया था। गांव निवासी आरोपी कुलदीप सिंह चौहान उर्फ आकाश सिंह भी नशे में गालियां बकते हुए अलाए–बलाए गांव के बाहर डाल कर गांव निवासी एक अन्य साथी के साथ वापस घर जा रहा था। रास्ते में घर के बाहर लेटे छुन्नू सिंह को गाली देने लगा तो दोनों के बीच झड़प हो गई तभी आरोपी कुलदीप ने अपने साथी को कुछ दूर छोड़ वापस पलटा और पास पड़े ईंट को उठाकर चारपाई पर लेटे छुन्नू सिंह के सिर पर कई वारकर भाग खड़ा हुआ। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा है।बांगरमऊ सीओ विजय आनंद ने बताया कि अभियुक्त ने जुर्म कबूल किया है। निशान देही पर आलाकत्ल बरामद किए गए हैं, जिसके आधार पर उसे जेल भेजने की कार्रवाई की गई है।

बदलते मौसम के साथ बढ़े मरीज, खांसी, जुकाम, बुखार, टायफाइड के बढ़े मरीज

उन्नाव। जिले में बदले मौसम में गुलाबी सर्दी का अहसास होने लगा है। इधर मच्छरों की भरमार होने से डेंगू और चिकनगुनिया के मरीज कम होने का नाम नहीं ले रहे हैं। इसके साथ ही सर्दी, जुकाम, बुखार, खांसी, टायफाइड के भी मरीजों की संख्या भी बढ़ी है। सरकारी अस्पताल में सुबह से दोपहर तक मरीजों की लाइनें लगी रहीं। आज स्वास्थ्य मेले में दवाइयां वितरित की गईं। इन दिनों बुखार, खांसी, जुकाम, टाइफाइड के मरीजों की भरमार है। सुबह ही न्यू प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र शुक्लागंज में मरीजों की लाइन लग जाती है। लोगों को तेज बुखार आता है, जांच कराने में प्लेटलेट्स कम होने से लोग परेशान होते हैं। डेंगू और बुखार की जांच में पैथोलॉजी केन्द्रों में भी भीड़ देखने को मिल रही है। न्यू प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में ओपीडी के दौरान मरीजों की लाइनें लगी रही, जिसमें अधिकांश मरीज तेज सर्दी, खांसी, जुकाम, बुखार के पहुंचे। प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. एसएस सिंह ने बताया कि चालीस से अधिक मरीज पहुंचे हैं। डॉ. एस एस सिंह, पीएचसी प्रभारी शुक्लागंज ने बताया कि सोने के समय मच्छरदानी का प्रयोग करें, पानी उबाल कर पीयें, खांसी, बुखार आने पर स्वास्थ्य केन्द्र में तुरंत दवा लें। अधिक खांसी और बुखार आने पर जांच अवश्य कराएं। निजी अस्पतालों में डेंगू और चिकनगुनिया के अधिकांश मरीज भर्ती हैं। वहीं सरकारी आंकड़ों की जादूगरी ऐसी है कि न तो चिकनगुनिया के मरीज हैं और न ही डेंगू के मरीज हैं। पालिका की ओर से लाखों रुपए खर्च कर फॉगिंग और एंटी लार्वा का छिड़काव कराया गया। बावजूद इसके मच्छर कम होने के बजाय बढ़ गए हैं, जिससे संक्रामक बीमारियां फैल रहीं हैं।

फैक्ट्री गेट के शव रखकर प्रदर्शन, मुआवजे की मांग, पुलिस ने परिजनों को समझा कर मामला कराया शांत

उन्नाव। सदर कोतवाली क्षेत्र के मगरवारा स्थित सरिया फैक्ट्री में शनिवार को काम करते समय मजदूर की हालत बिगड़ने पर जिला अस्पताल ले जाने पर मौत हो गई। परिजन शव लेकर घर चले गए। रविवार को परिजन शव लेकर फैक्ट्री गेट पर पहुंच मुआवजे की मांग को लेकर हंगामा करने लगे। सूचना पर चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और आक्रोशित लोगों को किसी तरह समझा कर कर मामला शांत कराया गया। सदर कोतवाली के थाना गांव के रहने वाले छत्तीस वर्षीय मुकेश चौकी क्षेत्र के मगरवारा स्थित एक प्रतिष्ठित सरिया फैक्ट्री में काम करता था। बताया जाता है कि शनिवार को अचानक काम के दौरान उसे सिर में दर्द उठा और उसकी हालत बिगड़ने लगी। जिस पर आनन फानन में फैक्ट्री प्रबंधन से उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। इस पर परिजन शव को लेकर घर चले आए। रविवार को परिजन ग्रामीणों के साथ शव लेकर फैक्ट्री पहुंचे और गेट के सामने शव को रख मुआवजे की मांग को लेकर हंगामा करने लगे। सूचना पर मगरवारा चौकी प्रभारी इंद्रदेव उपाध्याय मय फोर्स मौके पर पहुंचे और आक्रोशित लोगों को समझा कर किसी तरह शांत कराया। फैक्ट्री प्रबंधन के मौजूद न होने से मुआवजे को लेकर परिजनों से वार्ता नहीं हो पा रही है। बताया जा रहा है कि फैक्ट्री प्रबंधन को मामले की सूचना दे दी गई है। उनके आते ही मुआवजे को लेकर वार्ता शुरू होगी। चौकी पुलिस मौके पर मौजूद है। पुलिस का कहना है कि आक्रोशित लोगों को समझा कर शांत करवा दिया गया। मौके पर कानून व्यवस्था की कोई समस्या नहीं है।

करंट से 4 भाई-बहनों की मौत, घर के बाहर खेल रहे थे, फर्राटा पंखे से एक के बाद एक चिपके

उन्नाव। उन्नाव में पंखे में करंट उतरने से एक एक कर 4 बच्चों की मौत हो गई। बताया जाता है कि घर के बरामदे में रखे पंखे में करंट आ रहा था। जिसकी चपेट में एक बच्चा आया, फिर उसे बचाने के चक्कर में एक–एक कर चारों चिपक गए।

हादसा बारासगवर थाना क्षेत्र के लालमन खेड़ा गांव का है। लालमन खेड़ा के रहने वाले वीरेंद्र कुमार के घर के बाहर एक फर्राटा पंखा लगा है। रविवार शाम फर्राटा पंखे के पास में खेल रहे उनके एक बच्चे ने उसे छू लिया। करंट होने की वजह से वह पंखे की चपेट में आ गया। उसकी चीख–पुकार सुनकर पास में मौजूद तीन और बच्चे वहां पहुंच गए, जिससे वे भी पंखे की चपेट में आ गए। करंट लगने से चारों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक बच्चों में मयंक (9), हिमांशी (8), हिमांक (6) और मानसी (4) शामिल हैं। बताया जा रहा है सभी आपस में सगे भाई–बहन हैं। चारों के शव देख परिजन बेहोश होकर गिरते रहे। मोहल्ले के लोग जब उनके घर पहुंचे, तो उनका भी रो–रोकर बुरा हाल हो गया। हादसे की जानकारी बारासागर थाना पुलिस को मिली। मौके पर पहुंचे थानाध्यक्ष दिलीप प्रजापति ने घटनास्थल पहुंच कर जांच पड़ताल की। बताया जा रहा है कि घटना के दौरान बच्चों के माता–पिता गांव से बाहर मजदूरी पर धान की फसल काटने गए थे। पड़ोस का एक युवक इसी रास्ते से गुजरा तो चारों बच्चों को जमीन पर पड़ा देखा। उसने पंखे को बंद किया और बच्चों को छूकर देखा तो सभी की सांसें थम चुकी थीं। इसके बाद वो खेतों पर दौड़कर गया और बच्चों के परिजनों को सूचना दी। चारों बच्चों की मौत के अब परिवार में कोई भी संतान नहीं बची है। गांव के लोगों ने बताया कि वीरेंद्र बेहद गरीब परिवार से हैं। एक कमरे के कच्चे मकान में रहकर जीवन चला रहे थे। गांव और गांव के आसपास गांव में मजदूरी करके परिवार पाल रहे थे। अचानक सभी बच्चों की मौत होने के बाद दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। हादसे की जानकारी राजस्व विभाग को दी गई है। घटना की सूचना पर पहुंची बारासगवर थाना पुलिस जांच पड़ताल के बाद चारों मृतक भाई–बहनों के शव कब्जे में लेकर पंचायत नामा कर मॉर्चरी भेजे गए हैं। डीएम की अनुमति के बाद रात में ही पोस्टमॉर्टम कराने की तैयारी है। घटना को लेकर सीओ सिटी आशुतोष कुमार ने बताया कि चारों बच्चों की करंट लगने से मौत की बात सामने आई है। पुलिस मौके पर पहुंची थी। मृतकों में सगे 2 भाई और 2 बहनें हैं। शव कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

बच्चों ने मनाया वार्षिकोत्सव, सेंट जॉन्स स्कूल में एनुअल फंक्शन में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की दी प्रस्तुति

लखीमपुर–खीरी। नगर के सेंट जॉन्स स्कूल मे वार्षिकोत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में लखनऊ डायसीस के बिशप फादर डॉ जेराल्ड जॉन मथायस तथा गोला नगर के नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू, तहसीलदार गोला सुखवीर सिंह, मैनेजर फादर डेनिस डिसूजा विशिष्ट अतिथि के रूप मे कार्यक्रम मे उपस्थित रहे। वार्षिकोत्सव में स्कूली बच्चों ने एक से बढ़ कर एक सांस्कृतिक कार्यक्रमों से वहां मौजूद लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। बिशप फादर डॉ जेराल्ड जॉन मथायस, प्रिंसिपल फादर अनूप टिर्की ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शरूआत की। सांस्कृतिक कार्यक्रम में छात्र–छात्राओं ने एक से बढ़कर एक आकर्षक प्रस्तुतियां देकर कार्यक्रम को बहुत ही यादगार बना दिया। छात्र–छात्राओ ने सामूहिक नृत्य और एकांकी नाटक प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया। छात्र–छात्राओं ने समाज के लोगों को प्रकृति के प्रति जागरूक किया। पर्यावरण, पेड़ की अंधाधुंध कटाई से हानि, पॉलिथिन के दुष्प्रभावों, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ जैसे संदेश संगीत और नाटक के माध्यम से छात्र–छात्राओं ने दिया। कार्यक्रम के दौरान फादर प्रिंसिपल अनूप टिर्की ने मुख्य अतिथि का आभार जताया। कार्यक्रम में स्कूल के छात्र –छात्राओं के अभिभावकगण और शहर के कई गणमान्य व्यक्ति कार्यक्रम को देखने के लिए समारोह स्थल पर पहुंचे और आनंद उठाया। सेंट जॉन्स स्कूल के प्रधानाचार्य फादर अनूप टिर्की ने विद्यालय की उपलब्धियां के बारे में बताते हुए कहा कि हमारा स्कूल सदैव अच्छी शिक्षा देता आया रहा है और भविष्य में भी हर संभव प्रयास किए जाएंगे जिससे कि बच्चों को शिक्षित और संस्कार दिए जाएं। पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से कार्यक्रम की थीम नेचर अवर मदर रखी गई। मुख्य अतिथि बिशप जेराल्ड जॉन मथायस ने अपने संदेश मे लोगो को पर्यावरण के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि हमे पर्यावरण के प्रति चिंतित रहना चाहिए। पिघलते हुए ग्लेशियर हम सबके लिए खतरे का संकेत है हम सभी को प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन से बचना चाहिए। पेड़ों के अंधाधुंध कटाई को लेकर हमें सचेत रहना चाहिए और उनका कटान रोकना चाहिए ताकि भावी पीढ़ी का भविष्य सुरक्षित रहे।मंच का संचालन कक्षा 11 की अनुरीत कौर, इशिका आशीष और कक्षा 12 की सानिया साहनी, आरुषि रस्तोगी और कक्षा 7 के छात्र अग्रिम मिश्रा और आद्विक गुप्ता ने संयुक्त रूप से किया।कार्यक्रम के अंत में शिक्षिका रीतू साहनी ने सभी अतिथियों का स्वागत कर आभार व्यक्त किया इसके बाद राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। यह खबर लगा दे एप लोडिंग में सहयोग मिलता है।

छट घाटों पर अस्ताचलगामी सूर्य को दिया अर्घ्य, उगते सूर्य को अर्घ्य देकर महिलाएं व्रत का करेंगी परायण

लखीमपुर–खीरी। शुक्रवार से शुरू हुई छठ पूजा के पर्व में रविवार को व्रती महिलाएं अस्ताचल सूर्य को अर्घ्य देंने के लिए घाटों पर निकल गयी। लोग तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए शाम तक लगे रहे। छठ घाटों पर साफ–सफाई की व्यवस्था करायी गयी। गोला में तीर्थ सरोवर को ही छठ घाट मानकर सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। इसी क्रम में मैलानी में राजामण्डी, सुरजनपुर, नारंग, घाड़ीघाट और मैलानी टाउन में छठ घाट पर व्रती महिलाएं अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देंगी। सोमवार को उगते सूर्य को अर्घ्य देकर महिलाएं व्रत का परायण करेंगी। बांकेगंज में कई वर्षों से नहर में पानी न होने से नहर में गड्ढा खोदकर उसमें पॉलीथिन बिछाकर जल भरकर कार्यक्रम किया जाता है। आमतौर पर छठ पर्व पर महिलाएं व्रत रखती हैं परन्तु कभी कभी साथ पुरुष भी यह व्रत रखते हैं। ऐसी मान्यता है कि छठ का व्रत रखने से संतान की प्राप्ति होती और सूर्य भगवान की कृपा बरसती है। शुक्रवार को पर्व की शुरुआत नहाय खाय से हुआ। शनिवार को दूसरे दिन व्रती महिलाओं ने खरना किया। जिसमें शाम को व्रती महिलाओं ने चूल्हा बनाया और उसमे अक्षत, धूप, दीप व सिंदूर से पूजा की गई। प्रसाद के लिए रखे आटे की फुल्की, खीर, रसियांव और रोटी पकाकर चौके में ही खरना किया। रविवार को व्रती महिलाओं ने छठ घाटों पर पहुंच अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया और सोमवार को उगते सूर्य को अर्घ्य देकर व्रत का पारायण करेंगी। गोला के धार्मिक लेखक साहित्यकार लोकेश कुमार गुप्त ने बताया कि स्कंद पुराण में वर्णन है कि स्वयंभू मनु के पुत्र प्रियव्रत संतानहीन थे। उन्होंने सूर्य देव का तप किया तो पुत्र जन्म हुआ लेकिन, वह मृत था। यह देखकर वह विलाप करने लगे तो सिंहासन पर सवार होकर एक देवी वहां उपस्थित हुई और अपने आशीर्वाद से मृत शिशु को जीवित कर दिया। जब प्रियव्रत और उनकी पत्नी ने उनका परिचय पूछा तो देवी ने बताया कि वह छठ माता है। निरूसंतान को आशीर्वाद देकर पुत्रवान बनाती है और पुत्रवान की संतान की रक्षा करती है। तब से छठ पूजा प्रारंभ हुई।

सरकार खुद जा रही गांव व गरीबों के पास : केशव

1587 ग्राम पंचायतों में किया गया ग्राम चौपालो का आयोजन

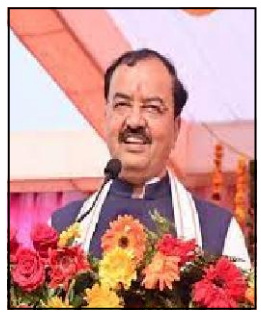

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व व निर्देशन में ग्रामीणों की समस्याओं के निराकरण हेतु प्रदेश के प्रत्येक विकास खण्ड की दो ग्राम पंचायतों में प्रत्येक शुक्रवार को ग्राम चौपाल का आयोजन किया जा रहा है और इन ग्राम चौपालों के बहुत ही सार्थक परिणाम निखर कर सामने आ रहे हैं तथा बहुत बड़ी संख्या में लोगों की समस्याओं का निराकरण उनके गांव में ही हो रहा है। सरकार खुद चलकर गांव व गरीबों के पास जा रही है, ग्राम चौपालों से जहां गांवों में चल रही विभिन्न परियोजनाओं की जमीनी हकीकत का पता चलता है, सोशल सेक्टर की योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आ रही है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशों के अनुपालन में ठोस व प्रभावी रूपरेखा बनाकर चौपालों का आयोजन किया जा रहा है तथा चौपालों से पूर्व गांवों में सफाई पर विशेष रूप से फोकस किया जा रहा है और चौपालों के बारे में अधिक से अधिक प्रचार प्रसार भी किया जा रहा है व्यक्तिगत समस्याओं के अलावा सार्वजनिक समस्याओं का समाधान चौपालों में हो रहा है।

गैस सिलेंडर में लगी भीषण आग, मची अफरा तफरी

रायबरेली। जिले में खाना बनाते समय गैस सिलेंडर में भीषण आग लग गई है। आग लगने से पूरे गांव में अफरा तफरी का माहौल हो गया है। आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी मौके पर पहुंची पुलिस ने फायर विकेट की गाड़ियों को सूचना दी जब तक फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाती तब तक नगदी समय 4 लाख का सामान जलकर पूरी तरह से खाक हो गया था। पूरा मामला खीरो थाना क्षेत्र के अंतर्गत गहरी सराय गांव का बताया जा रहा है। जहां पर खाना बनाते समय अचानक आग लग गई। आग लगने से हद कम मच गया आज इतनी बड़ी की सिलेंडर से आज छप्पर तक पहुंच गई। छप्पर के नीचे बैठकर ज्ञानवती खाना बना रही थी। इस दौरान हादसा हो गया हादसे में आसपास के सैकड़ों लोग मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाने का प्रयास किया लेकिन तब तक 2 हजार रुपए नगद और दो कुंतल गेहूं करीब चार लाख का सामान पूरी तरह से जल गया। गनीमत रही कि हादसे में कोई हताहत नहीं हुई है। खीरों थाना प्रभारी ने बताया कि सूचना मिलते ही तत्काल प्रभाव से मौके पर पहुंच गए थे। देखा गया तो आज अपना विकराल रूप ले चुकी थी। ग्रामीण आग पर काबू पाने का प्रयास कर रहे थे। लेकिन फायर ब्रिगेड की गाड़ी को सूचना दे दी गई जब मौके पर फायर ब्रिगेड की गाड़ी पहुंची। जब आग पर काबू पाया गया तब तक काफी नुकसान हो चुका था। मौके पर लेखपाल संबंधित तहसील के जिम्मेदारों को सूचना दे दी गई है। अग्रिम कार्यवाही की जा रही है।

जनसेवा संकल्प रैली में बोले अखिलेश यादव,

आने वाले समय में जनसेवक पार्टी हरियाणा में विकल्प में खड़ी होगी

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने रविवार को हरियाणा के जींद में हरियाणा जनसेवक पार्टी द्वारा आयोजित जनसेवा संकल्प रैली को सम्बोधित करते हुए कहा है कि समाजवादियों ने जो काम किये हैं वह इतिहास बन गए है। कोई भी सत्ता में आ जाए उसे बदल नहीं सकता है। नेताजी मुलायम सिंह यादव ने रक्षामंत्री रहते हुए फैसला लिया था कि देश में जवान सीमा पर कहीं भी शहीद होगा तो उसका पार्थिव शरीर घर तक पहुंचाया जाएगा और पूरे राजकीय सम्मान के साथ अन्तिम संस्कार किया जाएगा। उससे पहले जवानों के शहीद होने पर घर तक केवल उनकी टोपी और वर्दी आती थी। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने जो अग्निवीर योजना शुरू की है वह नौजवानों के लिए सेना की अधूरी नौकरी है। इसमें जवानों का सम्मान नहीं हो रहा है। समाजवादी पार्टी अपने घोषणा पत्र में इसे शामिल करेगी और हमारा वादा है कि 2024 में केन्द्र में सरकार बदलने पर समाजवादी पार्टी अग्निवीर योजना समाप्त कर पहले की तरह नौजवानों को सेना की पक्की नौकरी दिलाएगी। अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादियों ने देश में सबसे पहले जातीय जनगणना की मांग शुरू की। आज यह पूरे देश का मुद्दा बन गया है। देश में तमाम जातियां है जिनकी कोई पहचान नहीं है। समाजवादी पार्टी चाहती है कि देश में जातीय जनगणना हो। सभी जातियों को उनकी आबादी के हिसाब से हक और सम्मान मिले। बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने पिछड़ों के लिए संविधान में जिस हक और सम्मान की बात की है, वह आरक्षण नहीं मिल पाया। जातीय जनगणना होने पर देश में सभी जातियों की संख्या का पता चलेगा और उनको अधिकार और सम्मान दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि समाजवादी सरकार ने उ0प्र0 में महिलाओं को पेंशन देकर उनका मान सम्मान बढ़ाया था। अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार द्वारा लाए गए तीन काले कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन के लिए हरियाणा के किसानों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि किसान केन्द्र सरकार के सामने नहीं झुके। उन्होंने आंदोलन चलाया। आंदोलन सफल रहा। भाजपा सरकार को किसानो के सामने झुकना पड़ा। भाजपा सरकार ने किसानों पर तमाम अन्याय, अत्याचार किये। किसानों का शोषण किया। बड़ी संख्या में किसान शहीद हुए। लेकिन वे पीछे नहीं हटे और उनकी जीत हुई। अखिलेश यादव ने उम्मीद जताई कि आने वाले समय में जनसेवक पार्टी हरियाणा में विकल्प के रूप में खड़ी होगी। उन्होंने कहा कि हमने राजनीति को बहुत करीब से देखा है। बहुत उतार चढ़ाव भी देखे हैं। जो आज दिल्ली की सत्ता में बैठे हैं वे भी कभी छोटे दल थे। उनकी भी संख्या एक, दो और तीन में हुआ करती थी और जो बड़ा दल था किसी को भी चुनाव में खड़ा कर जिता देता था। आज ऐसा समय आया कि उसके प्रत्याशी जमानत नहीं बचा पाएं। अखिलेश यादव ने कहा कि हरियाणा जनसेवक पार्टी के साथ नौजवान, माताए और बहनें है। उम्मीद है कि नई पार्टी पढ़ाई–लिखाई सड़क और सुविधाओं की बात करेगी और नई सोच के साथ आगे बढ़ेगी। अखिलेश यादव ने बलराज कुंदू को हरियाणा में हरियाणा जनसेवक पार्टी बनाने के लिए बधाई और शुभकामनाएं दी। जनसेवा संकल्प रैली का आयोजन संजय कुमार ने किया था। रैली में संजय लाठर पूर्व एमएलसी एवं अतुल प्रधान विधायक उत्तर प्रदेश भी मौजूद रहे।

अवध की आवाज हिन्दी दैनिक, प्रकाशक ,मुद्रक व स्वामी,अनिल कुमार सिंह द्वारा स्काई लाइन प्रिन्टर्स,119/23 खन्दारी लेन, लालबाग, लखनऊ उ0प्र0 से मुद्रित तथा डी–97/3 व 7,सेक्टर–7, इन्दिरा नगर,लखनऊ,उ0प्र0 से प्रकाशित। सम्पादक अनिल कुमार सिंह फोन : 0522–4340954 मो0–7905407289, Email: avadhkiaawaz@gmail.com
R.N.I.- UPHIN/2012/45127
नोट : समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादोंका न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।